डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 10 > अंक : 16 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

अधिकारों का दुरुपयोग चरित्र पतन की ओर ले जाता है।
शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, गुरुवार, 28 सितम्बर 2023

डीएलबी डायरेक्टर IAS हृदेश शर्मा इतने निरंकुश क्यों ?

3 -3 सरकारी गाड़ियां निजी उपयोग में लाकर सरकारी जवाई बने IAS हृदेश शर्मा

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। गहलोत सरकार की विशेष अनुकम्पा से आईएएस हृदेश शर्मा लगातार अपनी सेवाकाल में राजधानी जयपुर में जमे रहे हैं और सबसे बड़ी बात कि वे हमेशा प्रशासन के मलाईदार पदों पर ही विराजमान होते आये हैं। ऐसे में अधीनस्थ कर्मचारी, अधिकारी, समाज में प्रतिष्ठित लोगों, व्यापारियों और सभी तरह के प्राइवेट और सरकारी लोगों से उनके मज़बूत स्थायी सम्बंध बन गए हैं और इस प्रकार डायरेक्टर हृदेश शर्मा की मनमानी एक निरंकुश राजा जैसी हो गयी है जो लगातार उनकी भ्रष्टता को प्रमाणित कर रही है-

■ जामडोली में इकोलॉजिकल जोन के प्रतिबंधित एरिया में 2000 वर्गगज का अवैध बंगला।

■ सरकार द्वारा दी गयी एक सरकारी गाड़ी के अलावा 2-2 सरकारी गाड़ी का निजी दुरुपयोग।

■ अपने पद का दुरुपयोग कर सीज किये गए अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों को बिना जाँच-पड़ताल किये सीजर खोलने के आदेश।

■ अतिक्रमणकारियों व अवैध निर्माणकर्ताओं के झूठे शपथ पत्रों को मान्यता देकर निगमों को सीजर खोलने के अवैध आदेश।

■ वित्त विभाग के संज्ञान में लाये बिना उसकी फ़र्ज़ी आईडी से पदों की नियुक्ति हेतु आवेदन निकालना लेकिन वित्त विभाग की ओर से कोई कार्यवाही नहीं होना।

■ भूमाफ़ियायों के साथ मिलीभगत कर जोनल और मास्टरप्लान में हेराफेरी करवाना।

■ राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दिये गए आदेशों की अवमानना करना।

■ कई सारी अवैध कारगुज़ारियों और भ्रष्टता का चरम छूने के बाद भी आज तक डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा प्रशासन के मुख्य पद पर विराजमान हैं **क्यों**?

- वाहन संख्या RJ 14 TE 8849 (स्विफ़्ट डिजायर)
- वाहन संख्या RJ 14 UA 4686 (टोयटा इनोवा)
- वाहन संख्या RJ 14 UJ 3736 (महिंद्रा बोलेरो)

इनोवा के अलावा दोनों गाड़ी बोलेरो और डिज़ायर डीएलबी निदेशक के अधीनस्थ जूनियर अधिकारियों के नाम से स्वीकृत हैं लेकिन डीएलब निदेशक हृदेश शर्मा के निजी व पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहती हैं या जामडोली स्थित घर में खड़ी रहती हैं क्यों?

क्यों... क्यों... क्यों ?

- 3-3 सरकारी गाड़ी रखने की अनुमति तो मुख्यमंत्री महोदय या मुख्य सचिव को भी नहीं होती फिर हृदेश शर्मा पर मेहरबानी किसकी और क्यों?
- सरकारी वाहन के नियमानुसार किसी भी अधिकारी को घर से लाने व ले जाने के एवज में अपने वेतन से एक हज़ार रुपये प्रतिमाह का भुगतान करना अनिवार्य है। आख़िर IAS हृदेश शर्मा इससे बचे हुए हैं क्यों?
- 3-3 सरकारी गाड़ियाँ घर के दरवाज़े पर खड़ी रखने का भुगतान नहीं करते हैं IAS हृदेश शर्मा क्यों?
- हृदेश शर्मा के जामडोली के इकोलॉजिकल प्रतिबंधित जोन में स्थित अवैध बँगले पर एक सरकारी गाड़ी के अतिरिक्त 2-2 सरकारी गाड़ियाँ खड़ी रहती हैं आख़िर किस नियम के तहत और क्यों?
- स्वायत्तशासन विभाग के कार्यालय में पार्किंग के पूरे एरिया में एकछत्र राज करती हैं डायरेक्टर हृदेश शर्मा की सरकारी गाड़ी क्यों?
- किसी अन्य अधिकारी-कर्मचारी को इज़ाजत नहीं गाड़ी पार्क करने की स्वायत्तशासन विभाग के कार्यालय में पार्किंग में......क्यों?
- सरकार द्वारा निर्धारित चेम्बर में नहीं बैठकर मीटिंग हॉल में बैठते हैं आजकल डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा क्यों?
- आजकल डीएलबी के मुख्य द्वार पर जड़ा होता है ताला। छोटा द्वार ही है आगन्तुकों के आने जाने का रास्ता क्यों?
- लगातार संपर्क करने पर भी डीएलबी डायरेक्टर उपलब्ध नहीं होते क्यों?

ईडी या एसीबी की नज़र से कैसे बच रहे हैं आईएएस हृदेश शर्मा?

राजस्थान सरकार में किसी अधिकारी का इतना निरंकुश होना सरकार का फैलियर सिस्टम है या सरकार की नाज़ुक नस का राज़दार होना ही इस निरंकुशता की ताक़त है। आख़िर गहलोत सरकार को आईएएस हृदेश शर्मा की कारगुज़ारियाँ नज़र क्यों नहीं आ रही और अगर नज़र आ रही हैं तो सरकार इन पर अंकुश क्यों नहीं लगा रही ? शायद चुनावी दौर से पहले ख़ज़ानों को लबालब भरने वाले ज़िम्मेदार अफ़सरो की फ़ेहरिस्त में सबसे ऊँचा नाम और काम आईएएस हृदेश शर्मा का ही है और अभी आचार संहिता लगने से पूर्व डीएलबी डायरेक्टर का ट्रांसफर हो जाना यह पुख़्ता रूप से प्रमाणित कर देगा कि गहलोत सरकार अपने चहेते और कमाऊ अधिकारियों को ट्रांसफर करके अब सेफ करके जा रही है और फिर चुनाव के बाद बिल्ली के भाग्य से छींका फूट गया और एक बार फिर से गहलोत सरकार सत्ता में आई तो ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को फिर से मलाईदार पदों पर विराजमान होने का मौक़ा मिल ही जायेगा।

21 सितंबर के अंक में प्रकाशित आईएएस हृदेश कुमार शर्मा के अवैध बंगले की ख़बर पर कार्यवाही को लेकर जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी से सीधी बातचीत के अंश-

हिलव्यू प्रश्न : सर ! जामडोली के इकोलॉजिकल जोन (आवासीय हेतु प्रतिबंधित जोन) में लगातार जेडीए अवैध निर्माणों पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही कर रहा है ऐसे में उसी आवासीय प्रतिबंधित क्षेत्र में वर्तमान डीएलबी डायरेक्टर हृदेश शर्मा का अवैध बंगला बना हुआ है उस पर कार्यवाही कब होगी? (हिलव्यू टीम 21 सितंबर का अंक दिखाते हुए)

उत्तर : अख़बार की ख़बर पर नज़र दौड़ाते हुए धर्मन्द्र कुमार यादव मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी जेडीए कहते हैं कि- "इस बारे में हम जाँच करवाते हैं।"

हिलव्यू प्रश्न : सर क्या इसके लिए लिखित शिक़ायत भी दर्ज करवाएँ ?

जेडीए उत्तर : इसकी आवश्यकता नहीं।अख़बार की ख़बर ही काफ़ी है। (कहते हुए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी जेडीए ने अख़बार में कुछ मार्क कर दिया)

अब ये देखने वाली बात होगी कि इकोलॉजिकल जोन में बने IAS हृदेश शर्मा के बंगले पर क्या कार्यवाही होती हैं?

ख़बर-बेख़बर-1

(गहलोत के मिशन 2030 से पहले द्वार पर खड़ा बड़ा सवाल)

2 मासूम बच्चों के साथ चार दिन से न्याय के लिए दर-दर भटक रही ज्योति!

गहलोत सरकार के महिला उत्पीड़न राहत और दहेज़ लोभियों पर कड़ी कार्यवाही के वादे कहाँ हैं? मानसरोवर पुलिस थाना (दक्षिण)भी अनसुनी कर रहा है पीड़िता की पीड़ा और नहीं दिला रहा कोई प्राथमिकी राहत

कुलदीप गुप्ता

जयपुर। गुर्जर की थड़ी स्थित शांति नगर बी, प्लॉट नम्बर 87 बी में रहने वाली ज्योति निर्मल दहेज प्रताड़ना की शिकार भूखी प्यासी अपने दो छोटे छोटे मासूम बच्चों को लेकर पिछले चार दिन से दर-दर की ठोकर खाती हुई इधर से उधर न्याय के लिए भटक रही है और ससुराल वालों के ज़ुल्म की इंतिहा से थककर ज्योति निर्मल ने जब पुलिस से मदद की गुहार लगाई तो मानसरोवर पुलिस थाना (दक्षिण) ने भी ताला खुलवाने सम्बंधित कोई सहायता नहीं की और न ही अब तक कोई एफआई आर दर्ज़ की है। लगभग 4 दिन गुज़र गए हैं लेकिन ससुराल के मकान पर जड़े ताले के बाहर आस लगाए भूखी प्यासी बैठी है ज्योति 02 मासूम बच्चों के साथ।

87-बी,शांतिनगर-बी,गुर्जर की थड़ी, जयपुर ज्योति का ससुराल जहाँ मकान पर ताला जड़कर ज्योति को दो मासूम बच्चों के साथ बेघर कर दिया गया है।

दहेज का दंश आज भी झेल रहीं बेटियां

पीड़िता ज्योति निर्मल दो मासूम बच्चों के साथ।

■ सरकार के ही विभागों में कार्यरत हैं दहेज़ के लोभी ज्योति निर्मल के ससुराल वाले लेकिन अब तक नहीं हुई है कड़ी कार्यवाही।

■ ज्योति निर्मल का पति विकास चौकड़ायत आबकारी विभाग में डबल एओ की पोस्ट पर,ननद डॉ किरण सरकारी अस्पताल एसएमएस में कार्यरत, जेठ प्रशांत चौकड़ायत आईडीबीआई बैंक मैनेजर और जेठानी चन्द्रकान्ता चौकड़ायत पीएनबी बैंक में कार्यरत हैं और हाउस वाइफ सास जयरानी चौकड़ायत सब मिलकर शादी के लगभग एक माह बाद से ही लगातार दहेज़ के लिए कर रहे हैं प्रताड़ित ज्योति निर्मल को

एक तरफ वर्तमान राज्य सरकार महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण को लेकर बड़े बड़े वादे कर रही है और साथ ही पुलिस भी महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए सजग रहने का दावा करती नज़र आती है लेकिन वास्तविक रूप में न सरकार की नीतियाँ काम कर रही हैं और न पुलिस द्वारा धरातल पर कोई ठोस कार्यवाही की जा रही है। आख़िर ऐसा क्यों ? आख़िर ज्योति जैसी पीड़ित,बेसहारा महिलाओं के लिए कौनसी सरकार सजग,सख़्त और गम्भीर होगी और कब होगी?

मामला एक नज़र में? ज्योति निर्मल की शादी 17 जनवरी 2019 को विकास चौकड़ायत से हुई थी। शादी के एक महीने बाद से ही दहेज के लिए ससुराल के समस्त परिवारजन सास जयरानी, पति विकास चौकड़ायत, जेठ प्रशांत चौकड़ायत, जेठानी चन्द्रकान्ता और ननद डॉ किरण ने मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरु किया सिर्फ़ प्रताड़ित ही नहीं बल्कि ज्योति निर्मल के परिवार वालों के साथ भी दुर्व्यवहार किया जाता रहा और ज्योति को गाहे-बगाहे जान से मारने की धमकी भी दी जाती रही है। दिनाँक 23 सितम्बर को भी ज्योति निर्मल के साथ पुनः मारपीट की गई और पुनः 24 सितम्बर को भी ज्योति निर्मल को शारिरिक रूप से प्रताड़ित किया गया तब जैसे तैसे ज्योति ने स्वयं की जान बचाई और पड़ोसियों एवं खुद की मम्मी मौसी की मदद लेकर पुलिस स्टेशन पहुँची पर पुलिस द्वारा भी कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। जबकि गहलोत सरकार में अभी कुछ माह पूर्व ही तुरन्त एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी किए गए हैं लेकिन धरातल पर आज भी इस नियम की क्रियान्वित ज़ीरो लेवल पर है।

(नगर निगम ग्रेटर के पूर्व आयुक्त IAS महेंद्र सोनी की कार्यप्रणाली पर लग रहा है प्रश्नचिन्ह?)

महेंद्र सोनी के आयुक्त पद से जाते ही ओसवाल डाटा एंट्री ने नई निविदा दरों को अचानक से किया कम जबकि आयुक्त सोनी से संदेहास्पद तरीक़े से बढ़वाई गयी थी 20% भुगतान राशि!

हज़ारों ख़ामियों के बाद भी 18 से साल से ग्रेटर निगम में क्यों डटी है मैसर्स ओसवाल डाटा कंपनी?

■ ओसवाल डाटा कंपनी से पूर्व आयुक्त महेंद्र सोनी के थे पुराने सम्बंध क्या इसीलिए 20% दर बढ़ाकर निगम ग्रेटर को लगा दिया लाखों का चूना आयुक्त महेंद्र सोनी ने! 2005 में निजी फर्म मैसर्स ओसवाल कंप्यूटर्स एंड कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड की नगर निगम में एंट्री तत्कालीन उपायुक्त महेंद्र सोनी के कारण ही हुई थी जो वर्तमान में आयुक्त नगर निगम ग्रेटर के पद से हाल ही में रिलीव हुए हैं।

■ इन्हीं पुराने सम्बंधों के चलते 2022 में पुराने सम्बन्धों के आधार पर मैसर्स ओसवाल कंप्यूटर्स एंड कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड को बड़ा लाभ देकर और स्वयं भी बड़ा लाभ कमाकर गए हैं आयुक्त महेंद्र सोनी!

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। ग्रेटर नगर निगम में इंटरनल सॉफ्टवेयर नेटवर्किंग सर्विस उपलब्ध करवाने वाली निजी फर्म ओसवाल कंप्यूटर्स एंड कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड पर कमिश्नर महेंद्र सोनी एवं महापौर सौम्या गुर्जर की अनुकम्पा ने नगर निगम ग्रेटर को करोड़ो का चूना लगाया है।

बिना राज्य सरकार की अनुमति लिए उपरोक्त फर्म का भुगतान दर 20% एवं लगातार समयावधि बढ़ा दिया जाना मेयर और आयुक्त दोनों को भूमिका को संदिग्ध और भ्रष्ट प्रमाणित करता है।

स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग की ओर से की गई एक ऑडिट में इसका खुलासा हुआ लेकिन उसके बाद मामला दबा दिया गया।

ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर ने इस बारे में जाँच करने के आश्वासन के साथ बात ठंडा बस्ते में डाल दी और महेंद्र सोनी अपनी अवैध करतूत पर ढीठता से अड़े रहे। इसी के साथ अन्य ज़िम्मेदार अफसरों में भी मामला ठंडा कर दिया और जिन अफसरों ने आधिकारिक टिप्पणियों में ओसवाल डाटा कंपनी की बखिया उधेड़ी व ईमानदारी से कमियाँ ज़ाहिर की उन्हें लगातार विरोध दर्ज करने पर स्थानांतरित कर दिया गया।

जानकार सूत्रों के अनुसार ग्रेटर नगर निगम में मैसर्स ओसवाल डाटा फर्म की एंट्री 2005 में हुई थी इस दौरान नियम था कि राजस्थान ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट रूल्स (आरटीपीपी) के तहत किसी भी कंपनी या फर्म का टेंडर 3 साल से ज्यादा नहीं बढ़ाया जा सकता और अगर बढ़ाया जाता है तो सरकार का अनुमोदन लिया जाएगा। हालांकि नियमों में संशोधन होने के साथ इस डाटा कंपनी का कार्यकाल 2010 तक हो गया और इसके अतिरिक्त 02 साल और बढ़ाया जाना प्रस्तावित माना गया।

इस डाटा कंपनी द्वारा अपनी सेवाओं में ऑनलाइन फॉर्म,ऑनलाइन फाइल, ट्रेडिंग सिस्टम, ई-ऑक्शन, तनख्वाह बनाने का काम,वर्क आर्डर, टेंडर प्रक्रिया, कॉल सेंटर,जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, सर्वर, सॉफ्टवेयर, स्टेशनरी, कंप्यूटर ऑपरेटर, हार्डवेयर मशीनरी, उपलब्ध करवाया जाता है।

स्वायत्त शासन विभाग और नगर निगम ने वर्ष 2005 में इस कंपनी के साथ अनुबंध किया था। उस दौरान यही महेंद्र सोनी निगम में उपायुक्त पद पर थे और उस समय 25 लाख रुपए प्रतिमाह का भुगतान तय किया गया था। नियमानुसार इस कंपनी का टेंडर 2012 में ही ख़त्म हो गया और तब से लगातार अब तक नगर निगम प्रशासन इसके समयावधि को बिना किसी सरकारी सूचना के बढ़ाता चला आ रहा है। इस बीच में जो भी आयुक्त आए रवि जैन, मोहनलाल यादव, दिनेश यादव, यज्ञमित्र सिंह और जो भी मेयर आये अशोक लाहोटी, मनोज भारद्वाज, विष्णु लाटा किसी ने इसकी दरों में इज़ाफ़ा नहीं किया और न ही इसकी समयावधि पर गौर किया न ही इसकी कार्यप्रणाली का गम्भीरता से अवलोकन किया।

जबकि समय-समय पर हुई ऑडिट्स में मैसर्स ओसवाल डाटा कंपनी की कार्यप्रणाली स्पष्ट और संतोषप्रद नहीं थी मगर कभी भी निगम द्वारा कोई गम्भीर कार्यवाही नहीं की गई, क्यों?

आखिरकार ओसवाल डाटा कंपनी के बुलंद भाग्य से आयुक्त महेंद्र सोनी की एंट्री फिर से हो गयी वो भी आयुक्त नगर निगम ग्रेटर के पद पर जो पुराने सम्बन्धों को ताज़ा करने में वरदान साबित हुई। दोनों की नज़रे मिली, इशारे हुए और फिर हुई मिलीभगत और सांठगांठ।

फिर खेल शुरू हुआ दरें बढ़ाने का: आयुक्त महेन्द्र सोनी ने इस फर्म के विरोध में आई सभी टिप्पणियों और विरोधों और कमियों को दरकिनार करते हुए न सिर्फ़ इस ओसवाल डाटा कंपनी का कार्यकाल निरंतर किया बल्कि भ्रष्टाचार की गलियाँ निकाल कर बिना सरकारी अनुशंसा के 20% दरें बढ़ा दी क्योंकि आयुक्त महेंद्र सोनी के इशारे पर ओसवाल डाटा कंपनी ने गुहार लगाई थी कि वर्तमान दरों से सेवाएँ प्रभावित हो रहीं हैं ओसवाल कंपनी को घाटा हो रहा है। जबकि विद्युत शाखा ने लगभग 1 करोड़ का बिजली व अन्य बकाया भुगतान ओसवाल डाटा कंपनी पर निकाला हुआ था। इसी के साथ-साथ ग्रेटर को दी गयी सेवाओं में कमी की भी लंबी सूची ऑडिट द्वारा निकाली गई। लेकिन भीतरी मिलीभगत से ओसवाल डाटा कंपनी के वारे न्यारे हो गए।

लेकिन अब ऐसा क्या हुआ कि नगर निगम ग्रेटर में अंगद सा पैर जमाये रखने के लिए मैसर्स ओसवाल कंप्यूटर एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड फिर से पुरानी दरों पर काम करने के लिए आमादा है और नए टेंडर में कम दरों के साथ प्रति कम्प्यूटर भुगतान सत्रह हज़ार से घटाकर पंद्रह हज़ार पर ले आया है।

सौम्या गुर्जर मेयर
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

महेंद्र सोनी
पूर्व आयुक्त नगर निगम ग्रेटर जयपुर

उपरोक्त दोनों का वर्जन नहीं मिल सका।

मैं इस विषय में जाँच करवाता हूँ अभी मेरे संज्ञान में ये मामला नहीं आया है।
बाबूलाल गोयल,
नए आयुक्त, नगर निगम ग्रेटर,जयपुर

मैसर्स ओसवाल कंप्यूटर्स एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड एवं नगर निगम ग्रेटर से कुछ प्रश्न...

- उपरोक्त फर्म का टेंडर वर्ष 2012 में समाप्त हो गया फिर किस आधार पर फर्म लगातार सेवाओं में सक्रिय रही?
- उपरोक्त फर्म द्वारा दिए गए कार्यों व सेवाओं की पूर्णता में कमी के बावजूद निगम ग्रेटर ने इसे बाहर का रास्ता क्यों नहीं दिखाया?
- उपरोक्त फर्म की राशि दर लगातार बढ़ाई गई जबकि उसकी सेवाओं में और उसके परिणामों में कमियां रही क्यों?
- प्रति कंप्यूटर औसत 17000 रुपए का भुगतान उसे दिया जा रहा है जो की अन्य राजकीय संस्थाओं से कई गुना ज्यादा है क्यों?
- इससे कम दर में अन्य फर्मे मेन विद मशीन की आपूर्ति कर रही है फिर यही डाटा कंपनी निगम में क्यों?
- मैसर्स ओसवाल डाटा फर्म द्वारा टेंडर से संबंधित बैठक में उपस्थिति भी पूर्ण नहीं रही जबकि फर्म द्वारा उल्लेखित है कि ऑपरेटर का प्रतिमाह सत्यापन किया जाता है, कैसे?
- स्वीकृत ऑपरेटर की संख्या से कम ऑपरेटर फर्म द्वारा दिये जा रहे हैं जो कि ओसवाल फर्म की ग़लत कार्यप्रणाली को प्रमाणित करता है। ऑपरेटर्स को स्वीकृत राशि से कम राशि प्रतिमाह दी जा रही है जो कि सरासर धोखाधड़ी है।
- फर्म द्वारा उल्लेखित है कि नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के साथ जोन कार्यालय में मुरलीपुरा, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा,मालवीय नगर,सांगानेर,मानसरोवर,जगतपुरा एवं डीएलबी,सचिवालय सहित सभी में मेन विद मशीन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं जबकि इतने सारे कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर की उपस्थिति किस प्रकार सुनिश्चित की जाती है यह संदिग्ध मामला है।
- नगर निगम ग्रेटर में ओसवाल फर्म द्वारा उपभोग में ली गयी बिजली की ऑडिट विद्युत शाखा द्वारा एक करोड़ के लगभग निकाली गई जिसे 20% दर और समयावधि बढ़ाते वक़्त व भुगतान करते वक़्त लगातार नज़रंदाज़ किया जाता रहा है क्यों?

सम्पादकीय

हाइड्रोजन बस हरित ऊर्जा निर्भरता की ओर कदम

भारत वैकल्पिक प्रदूषणमुक्त ईंधन/ऊर्जा के क्षेत्र में धीरे धीरे अपना कदम बढ़ा रहा है। सोलर एनर्जी, बायो डीजल, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भी नित नए प्रयोग हो रहे हैं। जीवाश्म ईंधन के कार्बनिक खतरे और उपलब्धता की निश्चित सीमा के चलते दुनिया के सभी प्रमुख देश वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोतों व खोजों को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत ने हरित हाइड्रोजन से चलने वाली देश की पहली बस का अनावरण किया है। भारत की सरकारी व निजी कंपनियां सरकार की मदद से जिस प्रकार हरित हाइड्रोजन के उत्पादन में हाथ आजमा रही हैं, ऐसे में भारत में इस पर बादशाहत की गहरी संभावना है। बेशक पश्चिमी देशों का भारत में जारी ग्रीन हाईड्रोजन पर काम के प्रति रवैया उदार नहीं है, इसके बावजूद भारत इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हरित हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन माना जा रहा है, इसलिए अनेक देश इसमें भारी निवेश कर रहे हैं। देश की दिग्गज पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने इस हरित हाइड्रोजन बस को पेश किया है, इसकी खास बात यह है कि यह बस सिर्फ पानी का उत्सर्जन करती है। आईओसी नवीकरणीय स्रोतों से बिजली का इस्तेमाल कर पानी के कणों को अलग कर 75 किलोग्राम हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी। यह हाइड्रोजन प्रायोगिक तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में चलने वाली दो बसों में इस्तेमाल किया जाएगा। ये 2 बसें 3 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेंगी। हरित हाइड्रोजन भारत में जीवाश्म ईंधन की खपत रोकने में एक बदलावकारी ईंधन की भूमिका निभाएगा। हरित हाइड्रोजन के 30 किलोग्राम क्षमता वाले चार सिलेंडर से लैस बस 350 किलोमीटर दूरी तक दौड़ सकती है। इन सिलेंडर को भरने में 10-12 मिनट का समय लगता है। ईंधन के तौर पर हाइड्रोजन के इस्तेमाल से सिर्फ पानी का भाप ही उत्सर्जित होता है। हानिकारक उत्सर्जक तत्वों के नदारद होने और ऊर्जा सघनता तिगुनी होने से हाइड्रोजन एक स्वच्छ एवं अधिक कारगर विकल्प के तौर पर उभर रहा है। वर्ष 2023 के अंत तक इंडियन ऑयल हाइड्रोजन से चलने वाली बसों की संख्या को बढ़ाकर 15 तक ले जाएगी। इन बसों को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में चिह्नित मार्गों पर संचालित किया जाएगा। भारत ने हाइड्रोजन एवं जैव-ईंधन जैसे नए ईंधनों के जरिये निम्न कार्बन विकल्पों की दिशा में कई कदम उठाए हैं। अगले दो दशक में वैश्विक स्तर पर पैदा होने वाली नई ऊर्जा मांग में इन विकल्पों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक होगी। वर्ष 2050 तक हाइड्रोजन की वैश्विक मांग सात गुना तक बढ़कर 800 टन तक पहुंच सकती है। निजी और सार्वजनिक परिवहन में हरित हाईड्रोजन क्रांतिकारी भूमिका निभा सकता है। हरित हाईड्रोजन पेट्रोलियम रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर प्रोडक्शन और स्टील मैन्युफैक्चरिंग में से जीवाश्म ईंधन को रिप्लेस कर सकता है। हरित हाइड्रोजन ऊर्जा बनाने के लिए पानी से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग किया जाता है। आईओसी ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के चुनिंदा रास्तों में 15 बसों की टेस्टिंग के लिए साइंटिफिकली डिजाइन कार्यक्रम की शुरुआत की है। भारतीय मानक ब्यूरो ने जैव ईंधन पर नौ मानक विकसित किये हैं। वह पैराफिनिक (हरित) डीजल के लिये मानक विकसित करने की प्रक्रिया में है। अमेरिका, ब्राजील और भारत जैव ईंधन के प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता हैं। आी जी-20 बैठक के दौरान तीनों देशों ने जैव ईंधन को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। ये सभी प्रयास देश में अल्टरनेटिव ग्रीन एनर्जी के उत्पादन को मजबूत करेंगे।

चिकित्सा विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बढ़ता दख़ल

आलेख
- डॉ. संजय शुक्ला

दूसरी खबर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट 'पीजीआई' चंडीगढ़ की है जहां के डॉक्टरों ने एक शोध किया है जिसमें 'एआई' तकनीक ने मरीजों में होने वाले अत्यधिक घातक पित्ताशय के कैंसर को उसी तरह से पहचान लिया जैसे एक अनुभवी रेडियोलॉजिस्ट तमाम रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट के बाद निष्कर्ष निकालता है। मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' में प्रकाशित इस रिसर्च के अनुसार मरीजों के रिपोर्ट पर एक तरफ एआई से समीक्षा की जा रही थी वहीं दूसरी ओर दो अनुभवी रेडियोलॉजिस्ट से भी इन रिपोर्टों का विश्लेषण करवाया जा रहा था जिसमें दोनों के निष्कर्ष समान निकले।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 'एआई' यानि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े दो खबरों ने बरबस यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि क्या भविष्य में 'एआई' ही डॉक्टर का विकल्प बनेगा? यह सवाल इसलिए भी बेमानी नहीं है क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण दुनिया भर में करोड़ों लोगों को अपने रोजगार से हाथ धोना पड़ा है। बात खबरों की करें तो पहली खबर अमेरिका की है जहां एक चार साल के बच्चे की बीमारी को वहां के 17 डॉक्टर नहीं ढूंढ पाए लेकिन एआई टूल चैटजीपीटी ने रीढ़ की हड्डी से जुड़े न्यूरोलॉजिकल सिंड्रोम 'ट्रेथर्ड कॉर्ड' नामक बीमारी को ढूंढ लिया।

दूसरी खबर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट 'पीजीआई' चंडीगढ़ की है जहां के डॉक्टरों ने एक शोध किया है जिसमें 'एआई' तकनीक ने मरीजों में होने वाले अत्यधिक घातक पित्ताशय के कैंसर को उसी तरह से पहचान लिया जैसे एक अनुभवी रेडियोलॉजिस्ट तमाम रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट के बाद निष्कर्ष निकालता है। मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' में प्रकाशित इस रिसर्च के अनुसार मरीजों के रिपोर्ट पर एक तरफ एआई से समीक्षा की जा रही थी वहीं दूसरी ओर दो अनुभवी रेडियोलॉजिस्ट से भी इन रिपोर्टों का विश्लेषण करवाया जा रहा था जिसमें दोनों के निष्कर्ष समान निकले। मेडिकल क्षेत्र में केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि एआई का ही दखल नहीं बढ़ रहा है बल्कि अब इस क्षेत्र में में रोबोटिक सर्जरी का भी चलन तेजी से बढ़ रहा है। अलबत्ता चिकित्सा विज्ञान में एआई और रोबोट के बढ़ते चलन का भारतीय परिवेश में विचार भी आवश्यक है। दुनिया में जिस तरह से नये-नये रोग और महामारियों का पता चल रहा है वैसे-वैसे मेडिकल साइंस में अनुसंधान और तकनीक का विकास भी बढ़ते जा रहा है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने अपने शुरूआत से लेकर आज तक हर क्षेत्र में काफी अनुसंधानात्मक विकास किया है जिसके चलते संचारी और गैर संचारी रोगों पर काबू पाया जा सका है। चिकित्सा में निदान यानि रोग का पहचान पहली कड़ी है जिस पर मरीज का उपचार और स्वास्थ्य निर्भर करता है। चिकित्सा विज्ञान में वैक्सीन और दवाइयों के साथ ही नैदानिक उपकरणों के क्षेत्र में काफी विकास किया है। यह अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आज डायग्नोस्टिक इक्यूपमेंट और पैथोलॉजी जांच पर ही मरीज का उपचार निर्भर हो चुका है। आज के डॉक्टर अपनी मेडिकल पढ़ाई के दौरान किताबों में पढ़े रोग के लक्षणों को रोगी में ढूंढने के बजाय पूरी तरह से नैदानिक उपकरणों पर ही भरोसा करने लगे हैं जबकि पुराने चिकित्सक मरीज का मर्ज पहचाने के लिए किताबों और प्रशिक्षण में पढ़े, देखे और सीखे लक्षणों को बारीकी से ढूंढ कर रोग का आंकलन करते थे। डॉक्टरों के बीच आज डायग्नोस्टिक टूल्स पर निर्भरता इतनी बढ़ चुकी है कि शायद ही कोई डॉक्टर अपने मरीज का नब्ज पकड़ते हैं। एक वह भी दौर था जब डॉक्टर अपने मरीज का लक्षण, खानपान और वंशानुगत रोगों की जानकारी लेकर जरूरी उपचार,

दवाई और परहेज बता देते थे लेकिन आज उपरोक्त सभी व्यवस्थाएं मशीन और अलग-अलग विशेषज्ञताओं में बंट चुकी है फलस्वरूप इलाज के खर्च में भी काफी इजाफा हुआ है। बहरहाल इन परिस्थितियों के लिए अकेले डॉक्टर ही जिम्मेदार नहीं है बल्कि बढ़ती जनसंख्या, संचारी और गैर संचारी रोगियों की बढ़ती संख्या, संक्रमण के स्वरूप और तीव्रता में बदलाव, चिकित्सा संसाधनों की कमी के साथ मरीजों का अपने डॉक्टर पर अविश्वास भी प्रमुख कारण है। आमतौर यह देखा जाता है कई मरीज डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले ही खुद-बखुद पैथोलॉजी से लेकर रेडियोलॉजिकल जांच करा कर लक्षणों के आधार पर दवाईयों का सेवन कर लेते हैं। हालांकि यह घातक है और मरीजों को इससे बचना चाहिए।

अलबत्ता दुनिया भर में मेडिकल साइंस हमेशा से नवाचार ,शोध और विकास का क्षेत्र रहा है जिसमें बीमारियों से बचाव के लिए वैक्सीन, जीवाणु और विषाणु रोधी दवाओं की खोज, मानव शरीर में हार्मोन्स, ऊतक और जीन के बदलाव पर अनुसंधान से लेकर रोगों के निश्चय के डायग्नोस्टिक उपकरणों के विकास में चिकित्सा वैज्ञानिकों ने अभूतपूर्व सफलता पाई है। हाल के वर्षों में शल्य क्रिया के क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी के तौर पर अभूतपूर्व क्रांति आई है जिसमें सर्जन के नियंत्रण में रोबोट जटिल सर्जरी भी कर रहा है। गौरतलब है कि सर्जरी के क्षेत्र में ओपन सर्जरी का विकल्प लेप्रोस्कोपिक सर्जरी था लेकिन अब रोबोटिक सर्जरी ने शल्य विशेषज्ञों के काम को आसान बना दिया है जो कंप्यूटर के जरिए संचालित व नियंत्रित होता है। दुनिया भर के सर्जन रोबोटिक सर्जरी के तमाम खूबियां बता रहे हैं इस तकनीक से कैंसर सहित अन्य जटिल सर्जरी में मैन्युअल सर्जरी की तुलना में काफी सटीक परिणाम मिल रहे हैं। बहरहाल नवाचार और अनुसंधान मानव जीवन का अहम हिस्सा है जिससे कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है। अलबत्ता भारतीय परिवेश में चिकित्सा क्षेत्र में एआई और रोबोटिक सर्जरी के परिणामों पर गौर करें तो हम अभी भी दोराहे पर खड़े हैं। भारत में चिकित्सा क्षेत्र हमेशा से सम्मान का क्षेत्र रहा है क्योंकि यहां के चिकित्सकों ने मानवता और संवेदना को पहले पायदान पर रखा है लिहाजा भारतीय चिकित्सक और मरीज इस तकनीक के साथ कितना सामंजस्य बैठा पाएंगे? यह भविष्य तय करेगा। गौरतलब है कि दुनिया के कई देशों में भारतीय डॉक्टर अपने काबिलियत का लोहा मनवा रहे हैं दरअसल इसके पीछे उनका प्रत्यक्ष ज्ञान और कर्माभ्यास के बलबूते आत्मनिर्भरता रहा है।किसी भी चिकित्सक के ज्ञान और कौशल के विकास के लिए यह जरूरी है कि वह मरीज के मर्ज को समझने और सुलझाने में खुद के बुद्धि और अनुभव का उपयोग करे जो एआई और रोबोट के जरिए संभव नहीं है।

विचारणीय है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट का अविष्कार भले ही मनुष्य ने ही किया है लेकिन तकनीक के जरिए मरीजों को वह मानवीय संवेदना और आत्मबल नहीं मिल पाएगा जो एक चिकित्सक से मिलता है। तकनीक पर बढ़ती निर्भरता चिकित्सा क्षेत्र के अनुसंधान और डॉक्टरों की दक्षता और कार्यकुशलता को भी प्रभावित कर सकता है जिसके लिए सचेत रहने की आवश्यकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एआई मनुष्य को न तो इंसान को प्राकृतिक बुद्धि की तरह समझ सकती है और न ही ग्रहण कर सकती है लिहाजा इस दोधारी तलवार के उपयोग पर सावधानी बरतने की जरूरत है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट डॉक्टरों को संपन्नता और सुविधा तो दे सकते हैं लेकिन आत्मविश्वास तो उन्हें खुद के बुद्धि, कौशल और अनुभव से ही मिल सकता है जो मशीनों के बलबूते पूरी तरह से संभव नहीं है।

सारा संसार

जयपुर में एक छोटी पहाड़ी पर स्थित मोती डूंगरी मंदिर राजस्थान के लोकप्रिय मंदिरों में से एक है जो मोती डूंगरी पैलेस से घिरा है। भगवान गणेश को समर्पित मोती डूंगरी गणेश मंदिर का निर्माण 1761 में सेठ जय राम पल्लीवाल की निगरानी में किया गया था। मोती डूंगरी मंदिर का निर्माण राजस्थान के उत्तम पत्थर के साथ 4 महीने की समयावधि में पूरा हुआ था जो अपनी वास्तुकला और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से व्यापक रूप से प्रशंसित है। मोती डूंगरी गणेश मंदिर तीन गुंबदों से सुशोभित है जो भारत में तीन प्रमुख धर्मों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी है...

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

गणेश विनायक जी की कथा

संकलित
प्रेरणा

एक गाँव में माँ-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी माँ से कहने लगी कि गाँव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊँगी। माँ ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घण्टी में पानी दिया। माँ ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गाँववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैंने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि माँगो तुम क्या माँगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या माँगू? अन्न माँगू या धन माँगू या अपने लिए अच्छा वर माँगू या खेत माँगू या महल माँगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुँची तो माँ ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

पर्यावरण स्वास्थ्य ज़रूरी

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस एक प्रकार का विज्ञान है, जो व्यक्ति को बीमारी, चोट लगने या किसी प्रकार की कुदरती या स्वास्थ्य की परेशानियों से दूर रख सकता है। इन्हीं चीजों का ध्यान रखने के लिए विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2023 की थीम 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य . हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' रखी गई है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हेल्थ द्वारा विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 26 सितंबर 2011 से शुरू किया गया था। यह दिन इसलिए मनाना शुरू किया गया था, ताकि लोगों में एनवायरनमेंटल हेल्थ और इससे जुड़ी समस्याओं को लेकर जागरूक किया जा सके। पर्यावरण स्वास्थ्य का तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र की भौतिक, रासायनिक, जैविक और सांस्कृतिक स्थिति से है। खराब वायु गुणवत्ता, पारिस्थितिक विविधता का नुकसान, रासायनिक असंतुलन आदि जैसे पहलू किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। पर्यावरण हर दिन के हर पल में हमारे स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने में हमारी मदद कर रहा है, इसलिए हमें अपने पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखना होगा। पर्यावरण को लेकर आज समूचा विश्व चिन्तित है। आखिर यह पर्यावरण है क्या और इससे चिन्तित होने के कारण क्या हैं? पर्यावरण वायु, जल, मृदा, मानव और वृक्षों को लेकर बना है। इनमें से किसी भी एक तत्व का क्षरण होता है तो उसका सीधा असर पर्यावरण पर पड़ता है। प्रदूषण भी पर्यावरण के लिए खतरे की घंटी बना हुआ है। पेड़, पौधे, जलवायु मानव जीवन को प्रभावित करते हैं। किसी भी एक तल के असंतुलित होने पर पर्यावरण प्रक्रिया असहज हो जाती है जिसका सीधा असर मानव जीवन पर पड़ता है। विश्व ने जैसे-जैसे विकास और प्रगति हासिल की है वैसे-वैसे पर्यावरण असंतुलित होता गया है। कल-कारखाने, उनसे निकलते धुंए, वाहनों से निकलने वाले धुएं, वृक्षों की अंधाधुंध कटाई, नदी और तालाबों का प्रदूषित होना आदि घटनाएं पर्यावरण के साथ खिलवाड़ है। हमने प्रगति की दौड़ में मिसाल कायम की है मगर पर्यावरण का कभी ध्यान नहीं रखा जिसके फलस्वरूप पेड़ पौधों से लेकर नदी तालाब और वायुमण्डल प्रदूषित हुआ है। यह सही है कि मानव जीवन के समक्ष आज चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ने भी पर्यावरण को बहुत अधिक क्षति पहुंचाई है। विश्व में हर साल एक करोड़ हैक्टेयर से अधिक वन काटे जाते हैं। भारत में 10 लाख हैक्टेयर वन प्रतिवर्ष काटे जा रहे हैं। वनों के कटने से वन्यजीव भी लुप्त होते जा रहे हैं। वनों के क्षेत्रफल के नष्ट हो जाने से रेगिस्तान के विस्तार में मदद मिल रही है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई, वायु और जल प्रदूषण, से हमने अकाल को न्योता दिया है। इन सब कारणों से हमारी खेती योग्य 18 लाख हैक्टेयर भूमि क्षेत्र बंजर हो गई है। देश में हर साल 15 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में वन नष्ट हो रहे हैं। मानव जीवन के लिये पर्यावरण का अनुकूल और संतुलित होना बहुत जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

कनाडा को भारत की बात माननी होगी

कनाडा में एक सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की जून में हुई हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच गंभीर कूटनीतिक विवाद उत्पन्न होता दिख रहा है। इसका असर दोनों देशों के व्यापार और अन्य क्षेत्रों पर पड़ सकता है। भारत के बाद सबसे अधिक सिख आबादी कनाडा में रहती है। कनाडाई सिख समुदाय कनाडा की धरती का उपयोग कर अलग सिख देश खालिस्तान की मांग को लेकर समय-समय पर आंदोलन और प्रदर्शन करता है, जिसको लेकर भारत की संसद गंभीर है और वहां के प्रधानमंत्री से इन गतिविधियों पर लगाम लगाने की मांग करती रही है। इस मसले पर कनाडा अपनी नकारात्मक भूमिका के चलते अलग-थलग पड़ गया है। कनाडा को भारत की मांग माननी ही होगी। - रेयांश

करंट अफेयर

मरीज़ों के अधिकारों को लेकर ब्रिटेन में शुरू हुआ अभियान

लंदन में भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने चिकित्सकों की कथित लापरवाहियों के कारण बेटे की मौत के बाद मरीजों के अधिकारों की वकालत के लिए एक परमार्थ फाउंडेशन की शुरुआत की। भारतीय मूल के व्यक्ति जय पटेल के 30-वर्षीय बेटे बलराम की लंदन के एक अस्पताल में 'खराब' उपचार तथा उचित देखभाल के आभाव में मौत हो गई थी। इसके बाद जय पटेल ने इस माह 'पेशेंट्स लाइव्स मैटर' का पंजीकरण कराया। पटेल ने नये फाउंडेशन के लिए जारी बयान में कहा, 'बलराम की जब मौत हुई, वह काफी पीड़ा में था और बहुत परेशान था। गंभीर खामियों तथा चिकित्सकों और चिकित्साकर्मियों की ओर से उचित उपचार एवं देखभाल न मिलने के कारण समय से पूर्व उसकी मृत्यु हो गई।' उन्होंने बयान में कहा, 'हमारा दृढ़ता से मानना है कि सरकार 'घटना' के बाद इस दिशा में विचार करने के लिए कदम उठा रही है कि मरीज की देखभाल/ अथवा मरीज के उपचार में कहां गलती हुई। हालांकि घटना के समय कमियों को सुधारने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोगी को कम या कोई नुकसान न हो, कोई खास उपाय नहीं थे।' पटेल ने कहा कि वह चाहते हैं कि उनकी बात संसद तक पहुंचे और बदलाव आए।

ऑफ बीट

नीली रोशनी को आँख तक पहुँचने से रोकता है चश्मा

कहा जाता है कि कंप्यूटर का उपयोग करते समय नीली रौशनी को आंख तक पहुंचने से रोकने वाला चश्मा पहनने से आंखों का तनाव कम होता है, आपकी नींद में सुधार होता है और आपकी आंखों का स्वास्थ्य बेहतर होता है। आप उन्हें स्वयं खरीद सकते हैं या आपका ऑप्टोमेट्रिस्ट उन्हें आपके लिए लिख सकता है। लेकिन क्या वे काम करते हैं? या क्या वे आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं? ब्लू-लाइट चश्मे, नीली रोशनी को फिल्टर करने वाले लेंस या नीले-अवरुद्ध लेंस अलग-अलग शब्द हैं जिनका उपयोग लेंस का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो आंखों तक पहुंचने वाली छोटी-तरंग दैर्ध्य दृश्यमान (नीली) रोशनी की मात्रा को कम करते हैं। ऑप्टोमेट्रिस्ट द्वारा निर्धारित इनमें से अधिकांश लेंस नीली रोशनी के संचरण को 10-25 प्रतिशत तक कम कर देते हैं। मानक (स्पष्ट) लेंस नीली रोशनी को फिल्टर नहीं करते हैं। लेंस उत्पादों की एक विस्तृत विविधता उपलब्ध है। प्रिस्क्रिप्शन या गैर-प्रिस्क्रिप्शन लेंस में एक फिल्टर जोड़ा जा सकता है। उनका व्यापक रूप से विपणन किया जाता है और वे तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसमें अक्सर अतिरिक्त लागत होती है, जो विशिष्ट उत्पाद पर निर्भर करती है।

ट्रेंड

महिला टीम को बधाई

एशियन गेम्स 2023 में स्वर्ण पदक जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई। एक गौरवपूर्ण क्षण! हमारी टीम ने बेहतरीन क्रिकेट खेला। उन्होंने उत्कृष्ट कौशल और टीम वर्क दिखाया है। भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

-मनसुख मांडिवया, केंद्रीय मंत्री

समर्पण ही श्रेष्ठ

भगवद्प्राप्ति के अनेक साधनों में ईष्ट के प्रति सर्वतोभावेन समर्पण ही श्रेष्ठ है। वस्तुत: समर्पण का आशय अहमन्यता के विसर्जन से है, समर्पण समस्त भक्ति ग्रंथों का सार है, अत: श्रद्धा और विश्वास पूर्वक भगवदीय विधान के प्रति समर्पित रहें।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

केवल नौकरियां छीनीं

मोदी सरकार ने आज़ादी के बाद अब तक, देश के युवाओं में बेरोज़गारी सबसे ज़्यादा बढ़ाई है। तमाम आँकड़े ये दर्शाते हैं कि सालाना दो करोड़ नौकरियां देना तो दूर, साल दर साल मोदी सरकार ने युवाओं से केवल नौकरियां छीनी हैं।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

हैवानों को कब सजा मिलेगी

हृदय विदारक घटना। पति के सामने पत्नी का गैंगरेप हुआ। दोनों ने ज़हर खाकर जान देने का निर्णय लिया। बच्चों से माँ ने कहा "बेटा मेरे मरने के पहले का बयान वीडियो बना लो मरने के बाद थाने को दे देना" ऐसे हैवानों को कब सजा मिलेगी?

-संजय सिंह, आप सांसद

एक नज़र

सांसद तिवारी ने पीएम मोदी पर बोला हमला, कहा- पीएम गारंटी तो देते हैं पर उसे पूरा क्यों नहीं करते?

पीएम जहाँ भी जाते हैं, वहाँ ईडी की कार्यवाही ज़रूर होती है!

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने जयपुर में पीएम मोदी पर बड़ा हमला बोला है। राज्यसभा सांसद तिवारी ने मंगलवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि पीएम गारंटी तो देते है, लेकिन उसे पूरा क्यों नहीं करते हैं। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से पूछा 15 लाख रुपए हर व्यक्ति के बैंक खाते में देने का वादा किया, उसका अभी तक हम इंतजार कर रहे हैं।

इसके अलावा उन्होंने मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव पर हुई ईडी की कार्रवाई को मोदी के जयपुर में एक दिन पहले हुए दौरे से जोड़ते हुए कहा कि राजस्थान में देख लीजिए क्या हो रहा है। मोदी कल राजस्थान आकर गए हैं। आज ईडी के छापे शुरू हो गए। राजस्थान में बीजेपी कमजोर है, इसलिए ईडी को लगाया है। जहां-जहां भी पीएम जाते हैं और जहां बीजेपी कमजोर दिखती है, वहां ईडी, इनकम टैक्स को काम पर लगाया जाता है।

दिल्ली में कल चर्चा थी कि मोदी राजस्थान जाकर आए हैं तो राजस्थान में कार्रवाई होगी। ईडी बीजेपी के फ्रंटल आर्गेनाइजेशन की तरह काम कर रही है, वह एक जांच एजेंसी की तरह काम नहीं कर रही है।

किसानों से किए वादे को भूले पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने किसानों से वादा किया था कि वे किसानों की आय को दोगुना कर देंगे और न्यूनतम समर्थन मूल्य देंगे, लेकिन तीन काले कानूनों के विरोध में 900 से अधिक किसानों ने अपने प्राण त्याग दिए। इसके बावजूद किसानों की आमदनी दोगुनी नहीं हुई। दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का वादा भी पीएम ने किया था, लेकिन हुआ कुछ नहीं। महिला आरक्षण 10 साल बाद लागू करने का वादा कर रहे हैं, अभी क्यों नहीं? मंहगाई लगातार बढ़ रही। गैस सिलेंडर के दाम कहां पहुंच गए हैं। टमाटर के दाम ने तो जनता को हिला दिया।

एनडीए के कई दल कांग्रेस के लगा रहे चक्कर : राज्यसभा सांसद तिवारी ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि एनडीए के कई दल कांग्रेस के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने पहचान लिया कि भारतीय जनता पार्टी अब डूबता हुआ जहाज है। इस डूबते हुए जहाज को सहयोगी दलों ने पहचान लिया है। इनके सहयोगी दल एक-एक कर इसे नाता तोड़ रहे हैं। तमिलनाडु में एआईएडीएमके ने बीजेपी से नाता तोड़ लिया है। इससे राज्यसभा में उनका बहुमत कम हो गया है। छोटे-छोटे दल इंतजार कर रहे हैं कि जैसे चुनाव की घोषणा हो, वैसे ही इस डूबते जहाज से निकल भागें।

पांच साल में हुए अभूतपूर्व कार्य

सांसद तिवारी ने गहलोत सरकार की तारीफ में कसीदे पढ़ते हुए कहा कि गहलोत सरकार ने पांच साल में जितना काम किया, उतना तो भाजपा की जितनी भी सरकार आई उनका काम भी जोड़ ले तो भी गहलोत आगे रहेंगे। राजस्थान में गहलोत एक-एक व्यक्ति एक-एक सीट को जानते हैं। सीएम ने कहा है कि 156 सीट आएगी तो मैं पूरी उम्मीद करता हूं कि 156 ही आएगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सच कहा है कि छत्तीसगढ़ में तो बीजेपी डबल डिजिट तक भी नहीं पहुंच पाएगी।

महिला आरक्षण के नाम पर धोखाधड़ी

सांसद तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी ने महिलाओं से किया कोई वादा नहीं निभाया। महिला आरक्षण का बिल लाए उसको भी लागू करने का कोई अता-पता नहीं है। मुझे 44 साल राजनीति करते हो गए, मैंने ऐसा कभी नहीं देखा कि कोई बिल पास हो और उसके लागू होने के बारे में कोई अता-पता नहीं हो। यह महिलाओं के साथ धोखा कर रहे हैं। मोदी सरकार पिछड़े वर्ग की अपेक्षा कर रही है। एससी, एसटी, अल्पसंख्यकों की उपेक्षा कर रहे हैं। इसकी कीमत इन्हें चुकानी पड़ेगी।

पदाधिकारियों और सांसदों को चुनाव में उतारने को लेकर होगा फ़ैसला!

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह एक दिवसीय प्रवास पर बुधवार को जयपुर आ रहे हैं। प्रवास के दौरान दोनों नेता भाजपा की विभिन्न बैठकों में भाग लेंगे। प्रदेश पदाधिकारियों से चर्चा के साथ ही दोनों नेता चुनाव संबंधित तैयारियों को लेकर अब तक प्रदेश भाजपा के होमवर्क को भी जांचेंगे।

पार्टी कार्यालय में बुधवार को मैराथन बैठकों का दौर रहेगा। भाजपा के केंद्रीय नेताओं के एक साथ यहां आने को टिकट वितरण की अंतिम कवायद से जोड़ कर देखा जा रहा है। बैठक के दौरान पार्टी अपने पदाधिकारियों को चुनावी मैदान में उतारने और सांसदों को टिकट देने को लेकर भी शाह और नड्डा चर्चा कर सकते हैं। इसके अलावा टिकट वितरण के बाद डेमेंज कंट्रोल को लेकर भी रणनीति इसी बैठक में तैयार की जाएगी।

पहली सूची की कवायद

माना जा रहा है कि भाजपा श्रद्धापक्ष यानि 29 सितंबर से पहले उम्मीदवारों की एक छोटी सूची जारी करने पर विचार कर रही है। इसमें तयशुदा नामों में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनियां, अरुण चतुर्वेदी, ज्ञानचंद पारख, वासुदेव देवनानी सहित अन्य नाम शामिल हो सकते हैं। वहीं पार्टी सर्वे में सी ग्रेड की सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर सकती है। इसमें कई ऐसे प्रत्याशी भी शामिल होंगे जो हाल ही में भाजपा में शामिल हुए है। इसमें सुभाष महरिया, सवाईसिंह चौधरी जैसे नाम शामिल हो सकते हैं। सूत्रों की माने तो भाजपा की सूची में 21 नाम शामिल हो सकते हैं।

सांसदों को लेकर भी फैसला: सूत्र यह भी बता रहे हैं कि भाजपा प्रदेश के कई सांसदों को भी चुनावी मैदान में उतार सकती है। सांसद देवजी पटेल, रणजीता कोली, मनोज राजोरिया, सुखबीर सिंह जौनापुरिया, सुमेधानंद, सीपी जोशी, अर्जुनराम मीणा के नाम शामिल है।

देर रात चलेगा बैठकों का दौर: भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री और नड्डा बुधवार शाम आठ बजे जयपुर एअरपोर्ट पहुंचेंगे। वहीं से सीधे भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आएंगे। करीब दस बजे तक प्रदेश कार्यालय में भाजपा नेताओं के साथ चुनावी मंत्रणा करेंगे। बताया जा रहा है कि दोनों नेता भाजपा कार्यालय पर प्रदेश संगठन से जुड़े नेताओं के साथ बैठक करेंगे और चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने पर चर्चा। इसके साथ ही उम्मीदवारों के नाम पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक के बाद यह दोनों नेता गुरुवार सवेरे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

अब मिड-डे-मील योजना केस में प्रवर्तन निदेशालय की एंट्री

मंत्री राजेंद्र यादव के तीन ठिकानों पर ED के छापे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मिड डे मील योजना में हुए भ्रष्टाचार के मामले में आयकर विभाग के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय भी सक्रिय हो गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को राजस्थान सरकार में गृह राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव के परिजनों के तीन ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी अधिकारियों ने जयपुर में यादव के पुत्रों के दो फ्लैट, कोटपूतली और बहरोड़ स्थित ठिकानों पर यह कार्रवाई की।

सूत्रों के अनुसार कार्रवाई में यादव पुत्रों की ओर से संचालित कंपनियों में कोरोना काल में मिड डे मील योजना में की गई आपूर्ति से जुड़े अनेक दस्तावेज बरामद करने व इनकी संपत्तियों के संबंध में जानकारियां जुटाई हैं। देर शाम ईडी ने पूछताछ के लिए यादव के दोनों पुत्रों को कार्यालय बुलाया, जहां देर रात तक पूछताछ होती रही। ईडी इस मामले में धन-शोधन निवारण अधिनियम-पीएमएलए कानून में कार्रवाई कर रही है। इसी मामले में गत वर्ष 7 सितंबर को आयकर विभाग भी कार्रवाई कर चुका है।

अधिकारी दिनभर साधे रहे मौन

उधर, राजेंद्र सिंह यादव के परिजनों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी दिन भर मौन साधे रहे। अधिकारियों ने न तो इस मुद्दे पर कोई अधिकारिक टिप्पणी की और ना ही देर रात कोई बयान जारी किया। ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों से मुलाकात करने का 'सच बेधड़क' ने प्रयास भी किया, लेकिन क्षेत्रीय निदेशक अर्पिता नाहारिया ने तो मामले के बारे में जानकारी देना तो दूर अपने को व्यस्त बता कर मुलाकात से ही साफ इनकार कर दिया।

केंद्र के इशारे पर की गई कार्रवाई

ईडी की छापेमारी के बाद प्रदेश में राजनीति भी गरमा गई। इस बीच गृह राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर अपना पक्ष भी मीडिया के समक्ष पेश किया। यादव ने बताया कि पिछले साल आयकर विभाग ने उनके आवास आदि पर छापेमारी की और अब ईडी के अधिकारी पहुंचे हैं। मिड डे मील योजना में उनके बच्चों की कंपनियों ने माल की आपूर्ति की है। किसी के कारोबार को अपराध करार नहीं दिया जा सकता। उनके बच्चों के मोबाइल भी ईडी अधिकारियों ने जब्त किए हैं। ईडी जिस टेंडर के बारे में सर्च कर रही है, उससे हमारा कोई लेना देना नहीं है। इस योजना में किए गए कार्यों का भुगतान भी पिछले ही माह हुआ है। हमारा भुगतान को लेकर भी संबंधित केंद्र सरकार की एजेंसी से विवाद हुआ है, जो अदालत में विचाराधीन है। मिड डे मील योजना में वितरित की गई वस्तुओं के हम आपूर्तिकर्ता नहीं है, हमने योजना में काम आने वाले बैग की केवल सप्लाई की है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा में नहीं जाऊंगा। चुनाव लड़ूंगा, लेकिन रहूंगा कांग्रेस में। पार्टी मेरे साथ खड़ी भी है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को केंद्र के इशारे से हुई कार्रवाई भी करार दिया।

नेपाल के इकलौते अरबपति और राजस्थान मूल के बिनोद चौधरी के छापे

नेपाल के इकलौते अरबपति और राजस्थान मूल के बिनोद चौधरी की कंपनी सीजी कॉर्प ग्लोबल के जयपुर स्थित कार्यालय, दौसा और सीकर सहित 5 ठिकानों पर मंगलवार को आयकर छापेमारी शुरू हुई। यह कार्रवाई गुवाहाटी स्थित आयकर विभाग की छापेमारी की कड़ी में की गई है। छापेमारी का नेतृत्व गुवाहाटी से आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्हें स्थानीय आयकर अधिकारी भी सहयोग कर रहे हैं। जयपुर में कंपनी का कार्यालय तख्तेशाही मार्ग स्थित कांस्टियां लेन में है, जहां सुबह से ही आयकर टीम पड़ताल कर रही थी। आयकर विभाग की यह कार्रवाई बिनोद चौधरी की कंपनी सीजी कॉर्प ग्लोबल और समूह की अन्य कंपनियों में पर्याप्त आयकर नहीं चुकाए जाने की सूचनाओं के आधार पर शुरू हुई है। आयकर छापेमारी असम के अलावा कोलकाता, सिक्किम, राजस्थान व कुछ अन्य राज्यों में भी हो रही है।

मुख्यमंत्री ने क़ानून और चिकित्सा के क्षेत्र में दी सौगात

प्रदेश में 11 नए न्यायालय को मिली मंजूरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के 11 नवीन न्यायालय खोले जाने की स्वीकृति दी है। गहलोत ने इन न्यायालयों के लिए 119 नवीन पदों के सृजन तथा न्यायालय भवन निर्माण के लिए प्रति न्यायालय 2.97 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति भी दी है।

नए खोले जाने वाले न्यायालयों में खाजूवाला (बीकानेर) एवं बालेसर (जोधपुर) में अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश न्यायालय, मारवाड़ जंक्शन (पाली), बागीदौरा (बांसवाड़ा), सीकरी (भरतपुर) एवं जोबनेर (जयपुर) में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय शामिल हैं। इसके अतिरिक्त शिव (बाड़मेर), खींवसर (मेड़ता न्याय क्षेत्र), सिणधरी (बालोतरा न्याय क्षेत्र) में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, किशनगढ़ (अजमेर) में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. एक्ट प्रकरण) न्यायालय तथा श्रीगंगानगर में वाणिज्यिक न्यायालय शामिल हैं। इन न्यायालयों में विभिन्न मशीनरी एवं फर्नीचर क्रय करने के लिए प्रति न्यायालय 6.02 लाख रुपए भी स्वीकृत किए गए हैं। नवीन न्यायालयों के लिए सृजित किए जाने वाले 119 नवीन पदों में पीठासीन अधिकारी के 11, लिपिक ग्रेड-द्वितीय के 25, प्रोसेस सर्वर के 8, लिपिक ग्रेड-प्रथम 7, स्टेनोग्राफर ग्रेड-प्रथम के 3, स्टेनोग्राफर ग्रेड-द्वितीय एवं तृतीय के 4-4, शहरेश्तेदार ग्रेड-प्रथम के 2, शहरेश्तेदार ग्रेड-द्वितीय एवं तृतीय के 4-4, रीडर ग्रेड-प्रथम के 3, रीडर ग्रेड-द्वितीय एवं तृतीय के 4-4, सीनियर मुंसरिम का एक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 35 पद शामिल हैं। राज्य में आमजन को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मार्च, 2023 में सितम्बर, 2023 तक के लिए सृजित अस्थाई जूनियर रेजिडेंट के 350 पदों को 6 माह के लिए बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पदों की 6 माह अभिवृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह अभिवृद्धि चिकित्सा महाविद्यालय जयपुर के पदों में की गई है। अब चिकित्सा महाविद्यालय जयपुर द्वारा इस अवधि में पदों पर आवश्यकतानुसार पदस्थापन किए जाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने भाजपा कार्यालय में लिया फीडबैक

सांसद और मंत्रियों के टिकट पर भी की जाएगी गहनता से चर्चा

- चुनाव प्रभारी ने कहा- जल्द ही आएगी प्रत्याशियों की पहली सूची
- प्रवासी सांसदों, विधायकों की बैठक में सौंपी गई विधानसभावार जिम्मेदारी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा जल्द ही करेगी। भाजपा ने मध्य प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को उम्मीदवार बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में जब टिकट के बारे में बैठक करेंगे तब इसकी चर्चा होगी और टिकट की घोषणा बहुत जल्दी होगी। जोशी ने कहा कि पार्टी ने जिन लोगों को मध्यप्रदेश में टिकट दिया है वे उस प्रदेश के नेता हैं और कांग्रेस पार्टी के पास नेता नहीं है। कांग्रेस पार्टी की यह समस्या है। जोशी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर प्रदेश की प्रतिष्ठा धूमिल करने का आरोप लगाते हुए कहा मुख्यमंत्री का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने सीकर में नाबालिग से दुष्कर्म व हत्या, हनुमानगढ़ में युवती द्वारा आत्महत्या की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में राजस्थान की जो इज्जत है, जो प्रतिष्ठा है, वह प्रतिष्ठा खराब हो रही है। मुख्यमंत्री राजस्थान की प्रतिष्ठा को खराब कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है। जोशी ने दावा किया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हम प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेंगे। राहुल गांधी ने स्वयं स्वीकारा है कि राजस्थान में हम हार रहे हैं।

जोशी ने मंगलवार को यहां प्रदेश पदाधिकारियों सहित प्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री एंव प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी नितिन पटेल, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर भी मौजूद रही।

विधानसभा क्षेत्र के हिसाब से तय की जिम्मेदारी

जोशी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सोमवार को जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जो जनसभा थी वह अपने आप में ऐतिहासिक है। इस रैली ने कार्यकर्ताओं में जोश फूंकने का काम किया है। हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार मंगलवार को जो बैठक हुई है उसमें सभी जिलों से जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी और प्रदेश के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सभी को विधानसभा स्तर के कार्यक्रम दिए गए हैं। इन सभी को कार्यक्रमों के हिसाब से समन्वय की जिम्मेदारी भी दी गई। बुधवार से ये सभी लोग प्रत्येक विधानसभा में तय कार्यक्रम के अनुसार अपना काम करेंगे। इस दौरान सभी को विधानसभावार कार्यक्रम आवंटित किए गए। इन सभी कार्यक्रमों का समन्वय प्रदेश मुख्यालय पर किया जाएगा।

पदाधिकारियों से चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

केन्द्रीय मंत्री जोशी ने प्रदेश पदाधिकारियों सहित प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों की बैठक ली। इस दौरान जोशी ने सभी जिला अध्यक्षों से चुनाव की तैयारियों को लेकर फीडबैक लिया। इस दौरान जिलों में विधानसभा सीट पर जीत के प्लान पर चर्चा की गई। बैठक में अलग-अलग जिलों से आए जिलाध्यक्षों और प्रभारियों से चुनाव तैयारियों के संबंध में सुझाव भी लिए।

एक नज़र

श्रमिकों को ठहरने की मिलेगी सुविधा

मंत्री जाटव ने किया श्रम कल्याण केंद्र का लोकार्पण

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राज्य सरकार श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि आज 61.70 लाख रुपए की लागत से बने श्रम कल्याण केंद्र का लोकार्पण किया जा रहा है। सिविल लाइंस पर बने इस भवन से दूर–सुदूर क्षेत्रों से राजधानी में आने वाले श्रमिकों को ठहरने की उत्तम सुविधा मिलेगी। ये बात सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव ने कहीं।

जाटव मंगलवार को श्रम कल्याण केंद्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवनिर्मित भवन का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिक वर्ग को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। इसी क्रम में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित यह भवन श्रमिकों को सहूलियत प्रदान करेगा। जाटव ने कहा कि विभाग ने पिछले चार वर्षों में एक लाख किलोमीटर से अधिक लम्बाई की सड़कों का निर्माण किया है।

मंत्री जाटव ने कहा कि वर्ष 2023-24 की घोषणाओं के 94 फीसदी से अधिक कार्यों के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। श्रम कल्याण सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्ष जगदीश श्रीमाली ने बताया कि श्रम कल्याण केंद्र में श्रमिकों के ठहरने के साथ-साथ बैठकों के लिए भी स्थान बनाया गया है। केंद्र में भूतल पर ऑफिस व एक हॉल तथा प्रथम तल पर दो कमरे, एक डोरमेट्री तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण भी किया गया है।

किसानों को दिया जा रहा ब्याजमुक्त ऋण: कटारिया

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सहकारी बैंकों और ग्राम सेवा सहकारी समितियों के आर्थिक सुदृढीकरण के लिए अल्पकालीन फसली ऋण वितरण की एवज में नाबार्ड पुनर्वित्त को 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 से 70 प्रतिशत किए जाने की आवश्यकता है। ये बातें कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहीं। कटारिया मंगलवार को देश के राज्य सहकारी बैंकों के शीर्ष संगठन नैफस्कॉब की कांफ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार की कृषि एवं सहकारिता को आगे बढाने वाली नीतियों का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रदेश के किसानों को 1 लाख 50 हजार रुपए का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों एवं सहकारी संस्थाओं के लिए कई नवाचार आरम्भ किए हैं।

राज्यपाल ने गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में संविधान पार्क का किया लोकार्पण

नई शिक्षा नीति से रोजगार परक शिक्षा पर करें फोकस: राज्यपाल कलराज मिश्र

हिलव्यू समाचार
बांसवाड़ा। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को बांसवाड़ा में गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, संविधान उद्यान और संविधान स्तंभ का लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन के शिलान्यास के साथ गोविन्द गुरु की प्रतिमा का भी अनावरण किया।

राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय जनजातीय परंपराओं और संस्कृति से जुड़े उनके प्रकृति सरोकारों पर मौलिक शोध के लिए कार्य करे। उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु व्यक्ति नहीं संस्था थे।

वे ऐसे युग प्रवर्तक महापुरुष थे जिन्होंने अपने समय में सामाजिक जागरूकता की क्रांति का शंखनाद किया। उन्होंने गोविन्द गुरु द्वारा 'भगत पंथ' की स्थापना के साथ धार्मिक जागृति और स्वाधीनता संग्राम मे उनके योगदान को भी महत्वपूर्ण बताते हुए उनके आदर्शों से सीख लेने का आह्वान किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केन्द्रित है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत अध्यन से रोजगारपरक शिक्षा के प्रयास करने पर जोर दिया।

संविधान संस्कृति से जुड़ेगी युवा पीढ़ी

राज्यपाल ने संविधान उद्यान के निर्माण पर बधाई देते हुए कहा कि इससे देश की युवा पीढ़ी संविधान संस्कृति से जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि संविधान उद्यान नई पीढ़ी को संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्तव्यों की याद दिलाता रहेगा। उन्होनें विश्वविद्यालय की ओर से आदिवासी कला और संस्कृति के संरक्षण के साथ जनजातीय परम्पराओं और भाषाओं पर शोध के लिए भी कार्य करने का आह्वान किया।

दिल्ली का गिरोह कर रहा था संचालन, मैनेजर-सुपरवाइजर को धरा

नकली गुटखा फैक्ट्री पकड़ी 25 करोड़ का माल बरामद

हिलव्यू समाचार
चित्तौड़गढ़। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा थाना इलाके में स्थानीय पुलिस के सहयोग से नकली गुटखा बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मार कर करीब 25 करोड रुपए कीमत का नकली गुटखा, उपकरण व कच्चा माल जब्त किया है। मौके पर मिले फैक्ट्री के मैनेजर और सुपरवाइजर को थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि लेबर को हिरासत में लिया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम की ओर से मंगलवार को निंबाहेड़ा सदर इलाके में यह कार्रवाई की गई है। टीम के सदस्य चित्तौड़गढ़ से अटैच हेड कांस्टेबल महावीर सिंह को लंबे समय से थाना क्षेत्र में नकली गुटखा के कारोबार किए जाने की सूचना मिली थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के सुपरविजन तथा पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल महावीर सिंह व कांस्टेबल रमेश चंद्र द्वारा एक महीने से इस सूचना के तहत जानकारी जुटा रहे थे। सूचना के पुख्ता होने पर देर रात एसएचओ निंबाहेड़ा सदर व कोतवाली टीम और डीएसटी को साथ लेकर हाईवे पर मांगरोल के पास स्थित फैक्ट्री पर दबिश दी गई।

दिल्ली के रहने वाले हैं फैक्ट्री संचालक

इस फैक्ट्री को संचालित करने वाले गिरोह के बड़े माफिया दिल्ली के रहने वाले हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। वहीं फैक्ट्री मालिकों और इस कारोबार के बारे में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एडीजी ने बताया कि पुलिस ने मौके से करीब 25 करोड़ का तैयार व माल और मशीने जब्त की हैं। इसमें तैयार माल के 540 बोरे जिनकी कीमत करीब 8 करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपए है। कच्चे माल की 150 बोरी जिसकी कीमत करीब 15 करोड़ 75 लाख रुपए है। साथ ही पैकिंग सामग्री भरने के रैपर के 150 कट्टे कीमत 15 लाख, पांच हॉपर मशीन करीब 50 लाख रुपए तथा अन्य सामग्री की कीमत करीब 5 लाख रुपए है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल महावीर सिंह व रमेश चंद्र की विशेष भूमिका रही। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह ने किया जबकि सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी द्वारा किया गया।

बड़ी मशीनों से भारी मात्रा में हो रही थी पैकिंग

एडीजी एमएन ने बताया कि जब टीम ने फैक्ट्री में छापेमारी की तो वहां बड़ी मशीनें लगा बड़े पैमाने पर नकली गुटखे की पैकिंग की जा रही थी। थाना सदर पुलिस ने मौके पर मिले मैनेजर मोहित यादव व सुपरवाइजर मोहम्मद साबिर निवासी थाना बुद्ध विहार दिल्ली को गिरफ्तार कर वहां काम करने वाले कार्मिको को डिटेन कर लिया। इस फैक्ट्री में नकली माल बनाकर अन्य स्थानों पर सप्लाई किया जा रहा था। पकड़े गए आरोपियों ने थाना कोतवाली निंबाहेड़ा क्षेत्र के रीको इंडस्ट्रीज एरिया में एक बड़ा गोदाम किराए पर ले रखा था। इस गोदाम से भारी मात्रा में तैयार माल और कच्चा माल भरा मिला, जिसे जब्त किया गया। अन्य एजेंसियों को भी सूचित किया गया है, जिनके द्वारा भी विभिन्न पहलुओं से जांच की जाएगी।

500 के 90 नकली नोट बरामद

मेले में नकली नोट चलाने वाले गिरोह का खुलासा, 3 आरोपी धरे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में विख्यात तेजाजी मेले में नकली नोट चलाने वाला गिरोह का पुलिस पर्दाफाश कर दिया। इस गिरोह में शामिल महिला सहित दो युवकों को सिटी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से पुलिस ने 500 के 90 नकली नोट सहित असली नोट भी बरामद किए हैं। ये नोट उनके पास कहां से आए इसे लेकर पुलिस गहन पूछताछ में जुटी है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह के अनुसार मेले में दो युवक और एक महिला 500 के नोट लिए फुटकर दुकानदारों के पास बारी-बारी से पहुंचकर 50 और 100 रुपए की खरीद कर रहे थे। मेले में मुस्तैद पुलिस जवानों को उन पर संदेह हुआ। दोनो युवकों को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ करने के साथ तलाशी ली तो उनके पास नकली नोट मिले। इन दोनों युवकों ने नकली नोट मेले में चलाने के लिए एक महिला द्वारा देने की बात कही। पुलिस ने तत्परता दिखाई और इस महिला को भी हिरासत में लेकर थाने लाया गया।

पुलिस ने नकली नोट की पुष्टि के बाद रास थाना क्षेत्र के भवरिया पाटन निवासी श्रवणी उर्फ सानिया पत्नी किशन सिंह रावत,दीपक पुत्र शंकर सिंह रावत,सुरेंद्र सिंह पुत्र घीसू सिंह रावत को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने दीपक और सुरेंद्र के कब्जे से 500 के 76 नकली नोट बरामद किए, जबकि सानिया के कब्जे से 500 के 14 नोट नकली बरामद किए। कुल 90 नोट नकली यानी 45 हजार की नकली करेंसी बरामद की। साथ ही इन्ही आरोपियों के पास नकली नोट चलाने से प्राप्त की गई 3600 रुपए के असली नोट भी मिले।

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक बनाने के लिए तैयार होगी डीपीआर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। गहलोत सरकार ने समाज सुधारक गोविंद गुरु की साधना स्थली मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने डीपीआर बनाने के लिए एक करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत ने पिछले महीने विश्व आदिवासी दिवस पर मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक के रूप में विकसित कराने और 100 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य करवाने की घोषणा की थी। राजस्थान-गुजरात सीमा पर बांसवाड़ा जिले में स्थित मानगढ़ धाम एक ऐतिहासिक स्थान है, जहां 1913 में अंग्रेजों की गोलीबारी में सैकड़ों आदिवासियों ने जान गंवाई थी। पिछले माह नौ अगस्त को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर सत्तारूढ़ कांग्रेस ने यहां बड़ी रैली की थी।

कोटा के लिए सौगातों भरा रहा मंगलवार

विकास कार्यों का लोकार्पण, आमजन की बढ़ेगी सुविधा

हिलव्यू समाचार
कोटा। जिले के लोगों को अब कई सुविधाएं मिलने जा रही हैं। मंगलवार का दिन जिले के लिए सौगातों भरा रहा। स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने मंगलवार को कोटा शहर के विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण कर योजनाएं आमजन को समर्पित की।

धारीवाल ने मंगलवार को श्रीपुरा न्यास द्वारा नवनिर्मित पार्किंग का लोकार्पण किया। इसके पश्चात से सब्जी मंडी बजाज खाना तक नवनिर्मित नई सड़क, गुमानपुरा इन्दिरा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। किशोरपुरा गेट से इन्दिरा गांधी तिराहा तक नहर के सहारे सड़क निर्माण के कार्यों का लोकार्पण किया। स्वायत्त शासन मंत्री ने कॉमर्स कॉलेज रोड़ से राजीव गांधी नगर तक लिंक रोड़ एवं जल शोधन संयंत्र (50 (एमएलडी) श्रीनाथपुरम लोकार्पण भी किया। इस सभी विकास कार्यों से स्थानीय लोगों को कई तरह की सुविधा मिलेगी।

इंदिरा गांधी की 11 मीटर ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

गुमानपुरा में नवनिर्मित इन्दिरा गांधी की विशाल प्रतिमा का अनावरण मंत्री धारीवाल ने किया। न्यास सचिव मानसिंह मीणा ने बताया कि गन मेटल से 11 मीटर ऊंची प्रतिमा विकसित की गई। जिस पर 3 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि आयरन लेडी के नाम से विख्यात देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सिद्धांत और कार्य शैली को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा कि कोटा शहर वासियों के लिए मंगलवार का दिन सौगातों भरा रहा।

वाहनों की रेलमपेल से मिलेगी मुक्ति

मंत्री शांति धारीवाल ने श्रीपुरा विकास भवन में आयोजित लोकार्पण समारोह में नवनिर्मित पार्किंग व्यापारियों एवं जनता को समर्पित की। नगर विकास न्यास के सचिव मानसिंह मीणा ने बताया कि इस पार्किंग में 250 दोपहिया वाहनों की जा सकेंगी। इस कार्य पर 3 करोड़ रुपए व्यय किए गए। उन्होंने बताया कि इस पार्किंग के निर्माण होने से सब्जीमंडी, इंदिरा मार्केट सहित आस-पास के दुकानदारों को अपने वाहनों की पार्किंग की बेहतर सुविधा मिलेगी और अनावश्यक लगने वाले जाम से भी निजात मिल सकेगी। पार्किंग का निर्माण करने के लिए व्यापारियों पे मंत्री धारीवाल का आभार जताया। इसके बाद धारीवाल ने सब्जीमंडी से बजाज खाना तक 1 करोड़ की लागत से नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण किया।

वैसे तो अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पूरा उत्तराखंड ही जाना जाता है लेकिन उसमें भी नैनीताल की बात ही निराली है। यहां के दिलकश नजारे मन में हमेशा के लिए बस जाते हैं। नैनीताल की यात्रा से जुड़े अपने यादगार अनुभव लेखक यहां साझा कर रहे हैं, अपनी जुबानी।

दिलकश नज़ारों की सैरग़ाह अद्भुत-मनमोहक नैनीताल

{ सैर-सपाटा / समीर चौधरी }

हरी-भरी पहाड़ियों से घिरी विशाल-सुंदर नैनी झील, शांत पुराने कॉटेज और बाजार, वॉकिंग ट्रैक्स का जाल, बोटिंग, प्राचीन मंदिर और हेरिटेज बिल्डिंग्स। इन नजारों का साक्षी मैं तब बना जब उत्तराखंड की गोद में स्थित नैनीताल पहुंचा। इस झील नगरी में मेरे लिए देखने और करने को बहुत कुछ था। हालांकि सफर की थकान के कारण मैं शाम को अपने होटल के कमरे में पहुंचते ही गहरी नींद में सो गया था, लेकिन मेरी आंखें पौ फटने से पहले ही खुल गईं। मैं मन ही मन में दिन भर अपने घूमने का प्रोग्राम बनाने की सोचने लगा। फिर कुछ डिसाइड किया और फ्रेश होकर, ट्रैकिंग शूज पहनकर बाहर निकल पड़ा।

टिफिन टॉप में सूर्योदय का नजारा

मैंने टिफिन टॉप से उगते सूरज को देखने का निश्चय किया। हालांकि मैं हॉर्स राइडिंग करता हुआ भी टिफिन टॉप जा सकता था, जो कि नैनीताल के केंद्र से लगभग 4 किमी. के फासले पर है। लेकिन ट्रैकिंग का अपना ही आनंद है, जिसे मैं मिस नहीं करना चाहता था। सुबह के 6 बज रहे होंगे, जब मैं टिफिन टॉप पर पहुंचा। पहाड़ों के पीछे से सूरज धीरे-धीरे उदय हो रहा था, हिमालय की बर्फीली चोटियों पर उसकी नर्म धूप पड़ने लगी थी। मैं मन ही मन में सोचने लगा, 'इस आलौकिक प्राकृतिक सौंदर्य को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता।' सच, उस नजारे के बारे में जितना भी कहा जाए, कम ही होगा। मन कर रहा था कि समय ठहर जाए और मैं इस नजारे को देखता ही रहूं। उस बारे में मैं इतना अवश्य कहूंगा कि अगर आपने नैनीताल भ्रमण के दौरान टिफिन टॉप से उगते हुए सूरज का नजारा नहीं किया तो यहां प्रकृति के सबसे सुंदर दृश्य से आप वंचित रह गए।

नैना देवी मंदिर के दर्शन

नैनी झील के पास ही नैना देवी मंदिर स्थित है। मैंने बोटिंग के बाद कुछ समय शांत होकर गुजारने की सोची। इसके लिए मैं नैना देवी मंदिर पहुंचा। कुछ पल वहां गुजारने के बाद मैंने खुद को तरोताजा महसूस किया। यह मंदिर, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, माता नैना देवी को समर्पित है और मान्यता यह है कि नैनी झील और उस इलाके में इन्हीं की कृपा रहती है। यह भारत के 64 शक्तिपीठों में से एक पवित्र मंदिर है। इस मंदिर की स्थिति और महिमा अद्भुत है। मान्यता है कि जो तीर्थयात्री यहां प्रार्थना करने के लिए आते हैं, उनको इस मंदिर के दर्शन मात्र से ही शांति का बोध हो जाता है।

नैनी झील में बोटिंग

टिफिन टॉप पर सूर्योदय देखने के बाद मैं ट्रैक करता हुआ नैनी झील के पास लौट आया। इसके बाद बोट हाउस क्लब में नाश्ता किया फिर नैनी झील में बोटिंग करने के लिए एक बोट हायर की। उसमें सवार होने से पहले लाइफ जैकेट पहनना नहीं भूला। फिर सुकून भरे पल गुजारने के लिए बोटिंग करने लगा। मैंने करीब एक घंटे तक बोटिंग का मजा लिया।

स्थानीय वस्तुओं की खरीदारी

मैं जहां भी घूमने-फिरने जाता हूं, वहां से स्थानीय प्रसिद्ध वस्तुएं लाना कभी नहीं भूलता। ऐसा मैंने नैनीताल में भी किया। जैसा मुझे लोगों ने बताया था कि नैनीताल में स्थानीय वस्तुओं की खरीदारी के लिए सबसे अच्छी जगह तिब्बती मार्केट है, मैं भी वहीं पहुंच गया। बात सही थी, इस बाजार में स्थानीय वस्तुओं और डिजाइनर सजावटी सामानों का खजाना देखने को मिला। फुटपाथ मार्केट में ही नहीं परमानेंट मार्केट में भी तिब्बती बैग्स, दिलकश स्कार्फ, लोकल ड्रेसेस, सुंदर डिजाइन की हुईं शॉलें, ऊनी मफलर समेत इतना कुछ था कि समझ में नहीं आ रहा था क्या छोड़ूं, क्या खरीदूं? फिर भी कुछ तो खरीदना ही था, इसलिए मैंने अपने बजट और पसंद के हिसाब से कुछ चीजें बतौर यादगार खरीद ही लीं। विभिन्न डिजाइन, शेप और साइज की मोमबत्तियां सजाना नैनीताल में प्रचलित है। स्थानीय लोग बहुत सुंदर मोमबत्तियां बनाते हैं। मैंने तो मोमबत्तियों के ऐसे डिजाइन और पैटर्न कभी देखे ही नहीं थे, जैसे नैनीताल के माल रोड की दुकानों पर बिक रहे थे। अपने घर में सजाने के लिए मैंने कुछ मोमबत्तियां भी खरीदीं। माल रोड पर मैंने आइसक्रीम का भी लुत्फ लिया।

अविस्मरणीय था सूर्यास्त का दृश्य

इतना कुछ करते-करते शाम होने लगी थी। सूरज के डूबने का समय नजदीक आता जा रहा था। इसलिए मैं तेजी से हल्द्वानी रोड की तरफ बढ़ने लगा। मैंने बस स्टॉप से टैक्सी ली ताकि शाम चार बजे से पहले हनुमान मंदिर पहुंचकर इस जगह की दैविकता का अनुभव कर सकूं। नैनीताल में अगर टिफिन टॉप पर आपने उगते हुए सूरज के दर्शन किए हैं तो हनुमान मंदिर पर अस्त होते सूरज को देखना न भूलें। सूर्यास्त का ऐसा मनोरम दृश्य मैंने अब तक कहीं और नहीं देखा है। वो नजारा आंखों में ही नहीं मन में हमेशा के लिए समा गया। इसके बाद मैं अपने होटल की ओर चल पड़ा, क्योंकि सुबह एक नए ठिकाने की ओर निकलना था मुझे। *

अन्य देखने योग्य स्थल

नैनीताल में देखने और अनुभव करने के लिए और भी बहुत कुछ है। पंगोट एंड किल्बरी बर्ड सैंक्चुअरी, राज भवन, जिम कार्बेट नेशनल पार्क, चीना चोटी, नैनीताल जू, केव गार्डन जैसी कई जगहें हैं, जिन्हें देखा जा सकता है। लेकिन इसके लिए दो-तीन दिन का समय अलग से चाहिए। अगर एडवेंचर का मजा लेना है तो रॉक क्लाइंबिंग की जा सकती है। आसमान से नैनीताल का नजारा लेने के लिए रोपवे एक बेहतरीन अनुभव देता है। लेकिन यह केवल उनके लिए होता है, जो ऊंचाई से डरते नहीं हैं। *

पितृपक्ष में श्राद्ध-तर्पण से प्रसन्न होते हैं हमारे पूर्वज

आगामी शुक्रवार से इस वर्ष के पितृपक्ष शुरू हो रहे हैं। मान्यता है कि इन दिनों में श्राद्ध और तर्पण करने से पितरों की शांति और तृप्ति प्राप्त होती है। पितृपक्ष से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें आपको पता होनी चाहिए।

{ धार्मिक मान्यता / आर.सी. शर्मा }

सनातन धर्म में पितृपक्ष का बहुत अधिक धार्मिक महत्व है। पितृपक्ष 15 दिन के होते हैं, कुछ लोग 16वें दिन को भी इन्हीं का हिस्सा मानते हैं। पितृपक्ष को पितृपाख, श्राद्ध काल और महालय पक्ष जैसे नामों से भी जाना जाता है। इस साल पितृपक्ष 29 सितंबर से शुरू होकर 14 अक्टूबर को समाप्त होंगे। मान्यता है कि इस अवधि में श्राद्ध और तर्पण करने से हमारे पितृ प्रसन्न होते हैं और वे अपनी संततियों को सुख और शांति का आशीर्वाद देते हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर हमारे पितृ या पितर या पूर्वज प्रसन्न रहते हैं तो हमारे जीवन में आने वाली तमाम तरह की बाधाएं स्वयं दूर हो जाती हैं।

पौराणिक मान्यता: आमतौर पर किसी घर-परिवार में जब कोई अप्रत्याशित बाधाएं आने लगती हैं तो माना जाता है कि यह पितरों की नाराजगी से हो सकता है। इसलिए इसके निवारण के लिए घर में पितरों की पूजा करने की सलाह दी जाती है। इसीलिए हर साल हिंदू धर्म को मानने वाले पितरों को प्रसन्न रखने के लिए पितृपक्ष में उनकी पूजा-अर्चना करते हुए, उनका श्राद्ध और तर्पण करते हैं। पुराणों के मुताबिक जड़-चेतन सृष्टि में हमारे शरीर का निर्माण हमारे नित्य पितृ करते हैं। वास्तव में नित्य पितृ पितरों के देव अर्यमा माने जाते हैं। वे महर्षि कश्यप की पत्नी देव माता अदिति के पुत्र हैं और इंद्रादि देवताओं के भाई हैं। उत्तरा-फाल्गुनी नक्षत्र इनका निवास माना जाता है। यह भी मान्यता है कि जब हम पितृपक्ष में अपने पितरों की पूजा करते हैं तो यह पूजा इन्हें भी लगती है और वे प्रसन्न होकर हमें सुख और समृद्धि देते हैं।

पितर होते हैं तृप्त : पितृपक्ष का सनातन धर्म को मानने वाले समाज में बहुत सांस्कृतिक महत्व भी है। यह अपने पूर्वजों के प्रति स्नेह, सम्मान और विनम्रता का सूचक है। पितरों के ऋण से मुक्ति पाने के लिए पितृ यज्ञ किया जाता है। वास्तव में पितृ यज्ञ, पितृपक्ष में उनकी की गई पूजा-अर्चना ही होती है। हालांकि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में पितृ ऋण से मुक्ति के लिए माता-पिता और पूर्वजों के नियमित श्राद्ध की बात कही गई है। लेकिन भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन माह की अमावस्या तक के 16 दिनों में किया जाने वाले यज्ञ पर्व का विशेष महत्व है। इस पितृपक्ष के दौरान अमावस्या सर्वपितृ मोक्ष का दिन होता है। इस दिन खीर, तिल और कुशा के साथ श्रद्धापूर्वक सभी पितरों का श्राद्ध किया जाता है। माना जाता है कि आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक यानी पितृ पक्ष के दौरान, पितृ प्राण पृथ्वी पर मौजूद रहते हैं। इसलिए उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक उन्हें भोजन अर्पित करना चाहिए। दसवें और सोलहवें दिन को लेकर मान्यता है कि पितरों की प्रेत अवस्था हमारे इर्द-गिर्द मौजूद रहती है, इसलिए जब इन दिनों पिंड बनाकर पितरों की पूजा की जाती है तो पिंडों में वे आत्माएं प्रवेश कर जाती हैं। शास्त्रों में लिखे निर्देशों के मुताबिक माता-पिता आदि के नियमित उनके नाम और गोत्र का उच्चारण करके उन्हें अन्न आदि अर्पित किया जाना चाहिए। ऐसा करने पर धार्मिक मान्यता है कि उन्हें वह अन्न प्राप्त होता है। ये भी माना जाता है कि जो पितरों की नियमित श्राद्ध करते हैं, उनके पितृ देवरूप को प्राप्त होते हैं। *

{ अनोखा पक्षी / शिवचरण चौहान }

कबूतर जैसा दिखने वाला सुंदर पक्षी फ़ाख़्ता

भारत में पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से कुछ हमारे आस-पास पाए जाते हैं तो कुछ जंगलों में ही दिखते हैं। अपने देश में पाया जाने वाला एक सुपरिचित पक्षी है-फाख्ता। यह इसका फारसी भाषा में नाम है। हिंदी में इसे पड़की, पंडूक, कपोतक, घुघुई, टुटु आदि नामों से जाना जाता है। इसकी मुख्य पहचान इसके द्वारा निकाली जाने वाली 'घू-घू' की आवाज होती है। यह कबूतर संवर्ग का पक्षी है। यह पक्षी पेड़ों पर, मैदानों में, घरों के आस-पास, खुली जगह, पार्कों आदि में आसानी से दाना चुगते देखा जा सकता है। इस पक्षी की करीब एक दर्जन प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं।

शारीरिक संरचना : हल्के स्लेटी या कत्थई रंग के सिर, गले में काली पट्टी वाला फाख्ता पक्षी उत्तर भारत में हिमालय से लेकर मैदानी इलाकों में बहुतायत से देखा जा सकता है। इसके शरीर की लंबाई 10 से 12 इंच तक हो सकती है। मादा पक्षी का आकार नर की तुलना में थोड़ा छोटा होता है। छोटी-सी चोंच और कत्थई रंग की गर्दन पर काले रंग की पट्टी और खूबसूरत पंखों के कारण यह देखने में बहुत सुंदर लगता है। इसका मुख्य भोजन अनाज के दाने, फल के टुकड़े और बीज, छोटे कीड़े-मकोड़े होते हैं। कबूतर की तरह इसे पालतू नहीं बनाया जाता है, क्योंकि यह आसानी से पकड़ में नहीं आता है।

बिना खाए रहती है कई दिन : मादा फाख्ता पक्षी अपना घोंसला पेड़ की डाल पर या पेड़ के कोटर में या टूटे-फूटे घरों में बनाता है। नीम की सींकें या पतली-पतली टहनियां इकट्ठा कर घोंसले का निर्माण करती है। आमतौर पर मादा फाख्ता साल में दो बार अंडे देती है। मादा घोंसले में दिन-रात बिना कुछ खाए-पिए करीब 14-15 दिन अपने अंडे सेती है। जब अंडों से चूजे निकलते हैं, तभी मां घोंसला छोड़ती है। अंडे सेने के बीच मादा फाख्ता पक्षी अगर दाना-पानी चुनने घोंसले से निकलती है तो अकसर अपना घोंसला पहुंचने तक का रास्ता भूल जाती है।

संख्या हो रही लगातार कम : मुख्य रूप से मांस के तौर पर खाने के लिए शिकारी, फाख्ता पक्षी का बहुत शिकार करते रहे हैं, जिससे इनकी संख्या बहुत कम रह गई है। इस वजह से इस पक्षी को संरक्षित श्रेणी में रखा गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार अगर इस पक्षी का संरक्षण नहीं किया गया तो बहुत जल्दी यह पक्षी लुप्त हो सकता है। *

शक्ति-स्फूर्ति बढ़ाने वाला शिलाजीत

{ आयुर्वेदिक औषधि / रेखा देशराज }

आम लोगों के दिलो-दिमाग में एक गलत धारणा बैठी है कि शिलाजीत का इस्तेमाल वही पुरुष करते हैं, जिनमें मर्दाना कमजोरी होती है। शिलाजीत, दरअसल फुल्विक एसिड होता है। यह एसिड ऊर्जा उत्पादन और रक्त निर्माण का अद्भुत स्रोत होता है। यह पोषक तत्वों को ऊतकों तक पहुंचने में मदद करता है और बदन में मौजूद सुस्ती और थकान को मिनटों में दूर कर देता है।

ऐसे शुरू हुआ सेवन : एक जमाने में जब ऊंचे पहाड़ों तक आवागमन की आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं, तब लोग आमतौर पर पहाड़ों की यात्राएं करते समय शिलाजीत का इस्तेमाल शरीर में ताकत और स्फूर्ति बनाए रखने के लिए करते थे। भारत में हिमालय पर्वत में स्थित मंदिरों की यात्रा करने वाले लोगों ने इसका इस्तेमाल करना सदियों पहले शुरू कर दिया था। बाद में यह धीरे-धीरे मर्दाना ताकत देने वाली जड़ी के रूप में मशहूर हो गई।

सदियों से हो रहा आयुर्वेद में इस्तेमाल : शिलाजीत का आयुर्वेद में इस्तेमाल सदियों से हो रहा है। यह आंतरिक शारीरिक बल बढ़ाने की रामबाण जड़ी-बूटी है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के लिए शिलाजीत के इस्तेमाल का सुझाव दिया जाता है, क्योंकि शिलाजीत शरीर के हर ऊतक तक ऊर्जा की तरंग भेजता है। अपने इसी गुण के कारण शिलाजीत मर्दाना कमजोरी का मनोवैज्ञानिक विकल्प भी बन गया है।

शिलाजीत का रूप-रंग : एक गाढ़े भूरे चिपचिपे रंग की जैविक काई (शिलाजीत) हिमालय की चट्टानों में पाया जाता है। शिलाजीत बाजार में कई रंगों में मिल सकता है, लेकिन आमतौर पर यह गाढ़ा भूरा, हल्का भूरा, धूसर रंग का और कहीं-कहीं पर सफेद रंग का भी होता है। कई बार शिलाजीत का रंग तारकोल के जैसा काला और गाढ़ा होता है, साथ ही यह सूखने पर चमकीला हो जाता है। शिलाजीत पानी में घुल जाता है, लेकिन एल्कोहल में नहीं घुलता।

सेवन के फायदे : आयुर्वेद चिकित्सा में यह दुर्लभ बूटियों में से है। यह बल पुष्टिकारक है, इससे ऊर्जा स्तर बढ़ता है, दुर्बलता दूर होती है, भूलने की बीमारी यानी अल्जाइमर भी दुरुस्त होता है। शरीर में रक्त की कमी भी इससे दूर होती है। जिन लोगों को जबरदस्त थकान की शिकायत होती है, उनकी थकान भी यह आसानी से दूर करता है। आज के दौर की सबसे बड़ी और जानलेवा दिल की बीमारियों में भी बहुत कारगर होता है। यह सिर्फ पुरुषों के लिए ही नहीं बल्कि महिलाओं के लिए भी फायदेमंद है। जिन महिलाओं की माहवारी अनियमित होती है, वे अगर इसका इस्तेमाल करती हैं तो उनकी माहवारी नियमित हो जाती है। एक बात का ध्यान रखें कि शिलाजीत बहुत संवेदनशील और प्रभावशाली बूटी है, इसलिए शिलाजीत का किसी भी रूप में इस्तेमाल करने से पहले किसी आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह जरूर कर लेना चाहिए। *

करीब छह दशक के लंबे फिल्मी करियर में देव आनंद ने अनेक माइलस्टोन फिल्में बनाईं और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनका बोलने, ड्रेस पहनने, रोमांस और एक्टिंग करने का अंदाज बहुत अनोखा था। आगामी 26 सितंबर को देव साहब की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर उनके रियल और रील लाइफ की खासियतों को याद कर रहे हैं लेखक।

हमेशा रहेंगे याद देव आनंद के लाज़वाब अंदाज़-बेमिसाल अदाकारी

{ यादें / अशोक जोशी }

हिंदी सिनेमा के रूपहले पर्दे पर आज तक कितने ही अभिनेता आए और चले गए। लेकिन ऐसे कुछेक ही हैं, जिनके किस्सों के जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा का इतिहास अधूरा है। सदाबहार अभिनेता देव आनंद भी ऐसे ही फिल्मी सितारों में से एक हैं, जो अपने जमाने में रूमानियत, स्टाइल और फैशन के आइकन थे।

आरंभिक जीवन : हिंदी सिनेमा में तकरीबन छह दशक तक अपनी अदाकारी और रूमानियत का जादू बिखेरने वाले देव आनंद का जन्म 26 सितंबर 1923 को पंजाब के गुरदासपुर में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनका असली नाम धर्मदेव पिशोरीमल आनंद था। 1942 में लाहौर में अंग्रेजी साहित्य में स्नातक करने के बाद देव आनंद आगे भी पढ़ना चाहते थे, लेकिन पिता ने आर्थिक समस्या का हवाला देकर नौकरी करने के लिए कह दिया। 1943 में अपने सपनों को साकार करने के लिए जब वह बंबई (अब मुंबई) पहुंचे, तब उनके पास मात्र 30 रुपए थे। रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं था, लेकिन देव साहब ने लंबे संघर्ष के बाद अपना मुकाम हासिल किया और फिल्म इंडस्ट्री में खुद को मजबूती से स्थापित किया।

कभी नहीं किया सफलता पर गुरूर : देव आनंद अपने जमाने के मशहूर अभिनेता होने के साथ ही एक सफल फिल्मकार भी थे। उन्होंने उम्र के आखिरी पड़ाव तक फिल्मों के लिए काम किया। दर्शक उनकी अदाओं के दीवाने थे। उनका स्टाइल, ड्रेसिंग सेंस और हेयर स्टाइल कॉपी किया करते थे। उनकी संवाद अदायगी लोगों का मन मोह लेती थी। लेकिन इतना स्टारडम होने के बावजूद वो हमेशा जमीन से जुड़े रहे, कभी अपनी शख्सियत पर घमंड नहीं किया, हमेशा बड़ों को सम्मान दिया और छोटों को प्यार किया। उनके ऑफिस और घर का दरवाजा हर किसी के लिए खुला रहता था। वो एकमात्र सुपरस्टार थे, जो अपाइंटमेंट फिक्स करते समय स्वयं पत्रकारों से पूछते थे कि उनके लिए सुविधाजनक समय क्या रहेगा? उनसे पहले और बाद में भी ऐसा किसी स्टार ने नहीं किया। यहां तक कि अपनी पार्टियों के लिए लोगों को आमंत्रित करने के लिए खुद फोन करते थे।

असफलता से नहीं हुए हताश : फिल्म 'हम दोनों' में उन पर फिल्माया गया गीत 'मैं जिंदगी का साथ निभाता चला गया, हर फिक्र को धुएं में उड़ाता चला गया' देव आनंद के जीवन को सही रूप में परिभाषित करता है। उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी असफलता को हावी नहीं होने दिया, ऐसे वक्त में भी वो अडिग रहे। अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी से डटे रहे, जितनी बार असफल हुए, उससे कहीं ज्यादा बार कोशिश की, जिसकी वजह से सफलता उनको मिल ही जाती थी। अपने जीवन के उत्तरार्ध में देव आनंद ने करीब 19 फिल्में निर्देशित और 31 फिल्में निर्मित कीं। इनमें से अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पाईं। फिल्मों की असफलता के बाद भी देव साहब ने कभी हार नहीं मानी, उन्होंने हर बार सीख ली और आगे बढ़ गए। यही वजह है कि अपनी उम्र के आखिरी पड़ाव तक वो हिंदी सिनेमा के लिए अपना योगदान देते रहे।

'हम दोनों' के 'जिंदगी का साथ..' गीत दृश्य में देव आनंद

स्वतंत्र और निडर व्यक्तित्व : देव आनंद हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े स्टाइल आइकन थे। उन्हें हिंदी फिल्मों का पहला सुपर स्टार माना जाता है। जिन्होंने कई पीढ़ियों पर अपना जादू चलाया, लेकिन अपनी रोमांटिक छवि के इतर, वो अपने विचारों और जीवन जीने के तरीके में बेहद स्वतंत्र और निडर थे, भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जब देश में आपातकाल लगाया, तो वो फिल्म इंडस्ट्री के पहले शख्स थे, जिन्होंने इसके खिलाफ अपनी आवाज उठाई। यहां तक कि समाज और देश के लिए सिनेमा छोड़कर कुछ वक्त के लिए सियासत में भी चले आए। साल 1977 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय पार्टी नामक एक पार्टी भी बनाई, इसके लिए अपने समर्थकों के साथ सक्रिय रूप से प्रचार भी किया, लेकिन जल्द ही उनका मोहभंग हो गया और उन्होंने पार्टी भी भंग कर दी।

काम करने का था जुनून : काम के प्रति देव आनंद में गजब का जुनून था। उन्हें अपने काम से इतना प्यार था कि वे 88 साल की उम्र में भी काम करते रहते थे। उस वक्त भी उनके अंदर ऊर्जा और उत्साह वैसा ही होता था, जैसा उनके जवानी के दिनों में हुआ करता था, उनसे जब ये पूछा जाता कि आप इतनी ऊर्जा लाते कहां से हैं। इस पर देव साहब कहते कि जब आप रचनात्मक होते हैं तो दिमाग को मजबूत होना चाहिए, यही दिमाग शरीर को साथ लेकर चलता है। जानी-मानी फिल्म लेखिका और समीक्षक भावना सोमाया एक बार देव साहब से मिलने उनके ऑफिस पहुंचीं तो उन्होंने देखा कि उनके टेबल पर सारा सामान बिखरा पड़ा है। उनको देखते ही देव आनंद बोले, 'मेरी मेज पर इस अस्त-व्यस्तता पर ध्यान मत दो, क्योंकि यह अस्त-व्यस्तता मेरी रचनात्मकता का हिस्सा है। मैं कभी भी अपनी डेस्क को हमेशा साफ रखने में विश्वास नहीं करता हूं, क्योंकि यह रचनात्मक ऊर्जा की बर्बादी है।' उनकी इन बातों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वो अपने कार्य के प्रति कितने समर्पित थे। *

जन्म-शताब्दी पर विशेष आयोजन

देव आनंद की सदाशयता, उनका मनुष्यत्व और उनका यही आकर्षण आज भी बरकरार है। उनकी जन्म शताब्दी पर देश भर के पीवीआर और इनॉक्स मल्टीप्लेक्स में उनकी चार फिल्मों 'सीआईडी', 'गाइड', 'ज्वेल थीफ' और 'जॉनी मेरा नाम' की प्रिंट्स का स्क्रीनिंग किया जा रहा है। जयपुर के राजमंदिर सिनेमाघर और मुंबई के नेहरू सेंटर में विशेष कार्यक्रम किए जा रहे हैं, जिनमें क्रमशः हेमा मालिनी और जीनत अमान शिरकत करेंगी। देव आनंद के चाहने वाले आज भी उन्हें बड़ी शिद्दत के साथ याद करते हैं। *

दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में बोले जितेंद्र सिंह

मोदी सरकार ने अब तक दी 9 लाख नौकरियाँ, यूपीए ने दी थीं 6 लाख

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में नौ साल से ज्यादा के कार्यकाल में रोजगार बढ़ें हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से एनडीए सरकार द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 9 लाख से अधिक लोगों की भर्ती की गई है, जबकि यूपीए शासन के पहले नौ वर्षों के दौरान केवल छह लाख से अधिक लोगों की भर्ती की गई थी। कांग्रेस हमेशा बेरोजगारी पर सवाल करती रही है, लेकिन मनमोहन सरकार के 10 साल के कार्यकाल के आंकड़े कुछ अलग ही प्रमाण दे रहे हैं।

दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में न केवल नौकरियां पैदा हुई हैं बल्कि पीएम ने युवाओं में जागरूकता भी पैदा की है। उन्होंने कहा कि रोजगार का मतलब केवल सरकारी नौकरी नहीं है। उन्होंने बताया कि देश में स्टार्ट-अप की संख्या लगभग 350-400 से बढ़कर 1.25 लाख हो गई है।

केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि पीएम ने बेरोजगारी से लेकर कई संकटों का समाधान किया

पीएम मोदी ने युवाओं में जागरूकता जगाई

दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में पीएम मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 'रोजगार मेले' को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में न केवल नौकरियां पैदा हुई हैं, बल्कि पीएम ने युवाओं में जागरूकता भी पैदा की है। उन्होंने कहा कि रोजगार का मतलब केवल सरकारी नौकरी नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि देश में स्टार्ट-अप की संख्या लगभग 350-400 से बढ़कर 1.25 लाख हो गई है। 'रोजगार मेले' के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जितेंद्र ने कहा, पीएम ने अंतरिक्ष क्षेत्र को भी खोल दिया है और स्टार्ट अप की संख्या चार से बढ़कर 150 हो गई है। उन्होंने चंद्रयान -3 की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि यह अवसर इसके बाद ज्यादा बढ़ें हैं और अंतरिक्ष क्षेत्र में युवाओं के बीच जबरदस्त रुचि देखी गई है।

रोजगार और प्रमोशन में जबरदस्त बढ़ोतरी

जितेंद्र ने कहा कि एनडीए के कार्यकाल में रोजगार और प्रमोशन में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपीए शासन (कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के पहले नौ वर्षों के दौरान, मुश्किल से छह लाख सरकारी नौकरियां दी गईं थी। आपके (पीएम मोदी के) कार्यकाल में, नौ लाख से अधिक पदों पर भर्ती की गई है।" आगे उन्होंने कहा कि यूपीए शासन में कुछ लोग जिस पद पर भर्ती हुए थे, उसी पद से सेवानिवृत्त हो जाते थे।

उधर, थरूर ने उठाए ये सवाल

बेरोज़गारी पर सरकार लोगों का ध्यान भटका रही

कांग्रेस नेता शशि थरूर अक्सर अपने बयानों के लिए चर्चा में रहते हैं। थरूर ने बेरोजगारी दर को लेकर

एक बार फिर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। एक स्टडी में दावा किया गया है कि कोरोना काल के बाद 25 साल से कम उम्र के 42 प्रतिशत ग्रेजुएट युवा बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं, जिसके बाद थरूर ने सरकार पर कई सवाल उठाए। थरूर ने अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2023 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा- ''गंभीर खबर.... लेकिन सरकार का काम बड़े पैमाने पर ध्यान भटका भटका रही है।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी हमारे स्टार प्रचारकः पवन खेड़ा

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल को दोनों सदनों से पारित किया गया। बिल का कांग्रेस ने भी

समर्थन किया। लोकसभा में कांग्रेस की पूर्व सांसद सोनिया गांधी ने कहा, राजीव गांधी का सपना अभी तक आधा ही पूरा हुआ है। पवन खेड़ा ने निशाना साधा और कहा कि पीएम मोदी 51 मिनट में 44 बार कांग्रेस का नाम लेते हैं।

1993 में हमने महिला आरक्षण दिया थाः शरद

जयपुर। महिला आरक्षण बिल को लेकर जयपुर में विपक्ष पर कटाक्ष करने के पीएम के बयान पर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चीफ शरद पवार ने मंगलवार को पलटवार किया। पूर्व मुख्यमंत्री शरद ने कहा कि साल 1993 में हमने महिलाओं को आरक्षण दिया था। महाराष्ट्र देश में पहला राज्य था, जिसने महिलाओं को रिजर्वेशन दिया।

पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री का गिरफ्तारी वारंट

अमृतसर। पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी

किया गया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने भाजपा नेता और पूर्व राज्य मंत्री मनप्रीत सिंह बादल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। विजिलेंस ने मुक्तसर साहिब के बादल गांव स्थित उनके आवास पर छापेमारी की थी।

चुनाव के बाद गिरेगी मान सरकारः बाजवा

अमृतसर। पंजाब के कांग्रेस के वरिष्ठ प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया था कि आप के 32 विधायक

उनके संपर्क में हैं। लोकसभा चुनाव के बाद उनकी सरकार गिर जाएगी। कांग्रेस यहां सभी 13 लोकसभा सीटों पर जीतेगी। सीएम भगवंत मान ने कहा कि वे चुनी हुई सरकार को तोड़ना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने 51 हजार युवाओं को 'रोजगार मेले' में सौंपा नियुक्ति पत्र

सरकार ने वादा किया पूरा, युवाओं को उपलब्ध कराया जा रहा रोजगार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले के तहत सरकारी विभागों और संगठनों में नए भर्ती हुए 51 हजार कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र दिया। पीएम मोदी एक बार फिर से देश से हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी की सौगात दी। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 9वें रोजगार मेले से जुड़े और युवाओं को सरकारी नौकरी की सौगात दी। इस अवसर पर रोजगार मेले में पीएम मोदी सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र पाने वाले युवा उम्मीदवारों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इन नियुक्त लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज जिन अभ्यर्थियों को सरकारी सेवा के नियुक्ति पत्र मिले हैं उन सभी को बधाई। आप सभी ने कड़े परिश्रम के बाद यह सफलता हासिल की है। आपका चयन लाखों अभ्यर्थियों के बीच से किया गया है। पीएम मोदी ने देश के केंद्रीय विभागों में 2023 के अंत तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। पीएम ने अधिकारियों को सरकारी विभागों में रिक्त पड़े पदों को जल्द से जल्द भरने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में सरकार की ओर से समय-समय पर रोजगार मेले का आयोजन किया जाता है। इससे पहले भी 8 रोजगार मेले का आयोजन हो चुका है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया संबोधित

पीएम मोदी ने नियुक्ति पत्र पाने वाले युवा उम्मीदवारों को संबोधित भी किया

बेटियां बना रहीं कीर्तिमान

पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में देश की आधी आबादी को बहुत बड़ी ताकत मिली है। 30 वर्षों से महिला आरक्षण बिल का विषय लंबित था वह अब रिकॉर्ड वोटों के साथ दोनों सदनों से पास हुआ है। यह निर्णय देश की नई संसद के पहले सत्र में हुआ, नई संसद में देश के नए भविष्य की शुरूआत हुई। भारत की बेटियां स्पेस से स्पॉट तक अनेक नए कीर्तिमान बना रही हैं।

आप नए जीवन का श्रीगणेश कर रहे

इस मौके पर युवाओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज के इस रोजगार मेले में जिन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिले हैं, उन सभी को बहुत बहुत बधाई। आप सभी ने कड़े परिश्रम से ये सफलता हासिल की है। इस सफलता का आपके जीवन में बहुत बड़ा महत्त्व है। देश भर में आज गणेश उत्सव की धूम चल रही है। इस पावन काल में आप सभी के नए जीवन का श्रीगणेश हो रहा है।

अब तक इतने नियुक्ति पत्र मिले

केंद्र सरकार की ओर से पहला रोजगार मेला 22 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया गया था। इसमें 75 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र दिए गए थे। दूसरे मेले में 71 हजार, तीसरे मेले में 71 हजार, चौथे मेले में 71 हजार, पाचवें-छठे-सातवें मेले में 70-70 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे गए थे। आठवें रोजगार मेले का आयोजन इसी साल अगल्सत में किया गया था जिसमें 51 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र दिया गया था। ये सभी युवा केंद्र सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में काम करेंगे।

यह 9वां रोजगार मेला था

मंगलवार को 9वां रोजगार मेला आयोजित किया गया। इससे पहले पिछले महीने 28 अगस्त को देशभर में 45 जगहों पर 8वां रोजगार मेला आयोजित हुआ था। इस दौरान पीएम मोदी ने 51,106 युवाओं को नियुक्ति सौंपे थे। मंगलवार को 9वें रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले को देशभर के कुल 46 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर के कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां से युवाओं को संबोधित भी किया और उन्हें बधाई प्रेषित की।

आज गुजरात दौरे पर जाएंगे

वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा, परियोजनाओं का लोकार्पण भी करेंगे

पीएम मोदी 26 से 27 सितंबर तक वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी बड़ी सौगात देते हुए करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। 27 सितंबर को सुबह करीब 10 बजे समिट में हिस्सा लेंगे। दोपहर करीब 12:45 बजे छोटाउदेपुर के बोडेली में 5,200 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे।

दिग्गज एक्टर स्व. देव आनंद को किया याद

पीएम मोदी ने मंगलवार को सदाबहार दिग्गज एक्टर देव आनंद को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्मों ने न सिर्फ मनोरंजन किया बल्कि भारत की एस्पीरेशन्स को भी दर्शाया है। 2011 में 88 वर्ष की उम्र में देव आनंद का निधन हो गया था। देव आनंद ने 'हम दोनों', 'तेरे घर के सामने', 'सीआईडी और 'गाइड', रहे राम रहे कृष्ण जैसी कई फिल्मों में काम किया। पीएम मोदी ने उन्हें याद करते हुए उनके साथ दो तस्वीरें शेयर की हैं, साथ ही पीएम मोदी ने एक पोस्ट लिखते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

कावेरी जल विवाद को लेकर बेंगलुरु बंद

200 से अधिक हिरासत में बड़ी सभाओं पर लगा बैन

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक में प्रमुख विपक्षी दल बीजेपी और जद (एस) समर्थित किसानों और कन्नड़ संगठनों ने पड़ोसी तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़े जाने के विरोध में मंगलवार को बेंगलुरु में बंद का आह्वान किया।

किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार के नेतृत्व में किसान संघों और अन्य समूहों के एक प्रमुख संगठन, कर्नाटक जल संरक्षण समिति ने सुबह से शाम तक बंद का आह्वान किया है। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में पुलिस ने 200 बंद समर्थकों को हिरासत में लिया है। कन्नड़ समर्थक संगठनों के महासंघ के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, वटल नागराज और प्रवीण शेट्टी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंगारोधी उपकरणों से लैस पुलिस कर्मियों को कई इलाकों में तैनात किया गया है। आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाली दुकानों को छोड़कर सभी दुकानें बंद हैं। टाउन हॉल तक मार्च का प्रयास कर रहे कर्नाटक जल संरक्षण समिति के नेताओं को पुलिस ने मैसूरु बैंक सर्कल में हिरासत में ले लिया।

सिद्धारमैया सरकार पर किसानों ने मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया

कार्यकर्ताओं और किसान नेताओं ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर उनके विरोध के अधिकार को दबाने के लिए राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। बंद से पहले सोमवार आधी रात से पूरे शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। आदेश आज आधी रात तक लागू रहेंगे. शहर के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई, जबकि निजी कार्यालयों को घर से काम करने की सलाह दी गई थी। हालांकि होटल और रेस्तरां खुले हैं, लेकिन बेंगलुरु होटलियर्स एसोसिएशन ने बंद के आह्वान का समर्थन किया है। गौरतलब है कि शुक्रवार को एक बार फिर राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया है।

कारोबार ठप, स्कूल कॉलेज रहे बंद

शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों में दुकानें और होटल स्वेच्छा से बंद कर दिए गए। व्यावसायिक कारोबार पूरी तरह से ठप रहा। इसके अलावा एयरपोर्ट पर स्थिति सामान्य रही। बेंगलुरु बंद के मद्देनजर स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई।

ओमप्रकाश धनखड़ ने की डॉ.मांडविया से मुलाकात

धनखड़ ने एनसीआई- एम्स 2 में चिकित्सा सुविधाएं बढ़ाने को लेकर सौंपा मांग पत्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ओमप्रकाश धनखड़ मंगलवार को नई दिल्ली स्थित केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय पहुंचे और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की।

धनखड़ ने मांडविया के साथ अपनी मुलाकात के दौरान बाढ़सा स्थित एनसीआई एम्स-2 में भावी प्रोजेक्ट और चिकित्सा सेवाओं में बढोतरी को लेकर विस्तार से चर्चा की। धनखड़ ने मांडविया से आग्रह

करते हुए कहा कि कैंसर की चिकित्सा सुविधाओं के अतिरिक्त क्षेत्र के लोगों को अन्य चिकित्सा सुविधाओं की जरूरत है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की बड़ी जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए बाढ़सा एम्स 2 में मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की जरूरत है। डॉ. मांडविया ने कहा कि एम्स-2 में कई प्रोजेक्ट प्रस्तावित हैं , जिन पर मंत्रालय तेजी से कार्य कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। धनखड़ ने कहा कि आयुष्मान भारत और चिरायु हरियाणा जैसी स्वास्थ्य योजनाएं शुरू होने से जरूरतमंद व्यक्ति को अब महंगे ईलाज की चिंता नहीं रही। धनखड़ ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा हरियाणा के प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देने के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद भी किया।

अधीर रंजन ने ममता पर साधा निशाना

बंगाल में बेनर्जी ने फैलाया डेंगू, लोग भगवान भरोसे

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कांग्रेस के लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में"ये गवर्नमेंट स्पॉन्सर डेंगू है। यहां लोग भगवान के भरोसे जी रहे हैं। यहां डेंगू ने महामारी का रूप ले लिया। इसकी जिम्मेदारी ममता सरकार को लेनी होगी। बेनर्जी सरकार ने सोमवार को करीब एक लाख कर्मचारियों की छुट्टियां अगले आदेश तक के लिए रद्द कर दी हैं। ये सभी कर्मचारी स्वास्थ्य, पीएचई, पीडब्ल्यूडी, अर्बन डेवलपमेंट और पंचायत विभाग से जुड़े हैं।

कुणाल की दो टूक, गठबंधन की सीमा में रहे कांग्रेस

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने चौधरी और कांग्रेस को इंडिया गठबंधन की

सीमा में रहने की हिदायत दी और कहा, कांग्रेस दोहरा मापदंड अपना रही। विपक्षी गठबंधन के मुख्य नेताओं को इस समस्या के बारे में सोचना चाहिए। बंगाल में कांग्रेस नेतृत्व सीपीआईएम के साथ गठबंधन कर भाजपा की मदद कर रही है,जो टीएमसी को परेशान कर रही है।

आफिस की भी ली तलाशी

राजस्थान के राज्यमंत्री के घर ईडी-आईटी का छापा

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान सरकार में गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। उनके ठिकानों पर मंगलवार को ईडी और आईटी ने छापा मारा है। खबर लिखे जाने तक कोटपूतली में उनके घर और ऑफिस में ईडी की टीम मौजूद है। यादव से जुड़ी कंपनियों पर ईडी की तलाशी जारी है। घर और ऑफिस दोनों जगहों पर दस्तावेजों ती तलाश की जा रही है। यादव के घर के बाहर गाड़ियों का जमावड़ा लगा हुआ है। घर के भीतर पुलिस की टीम मौजूद है और बाहर से किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। यादव गहलोत सरकार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री हैं। पिछले साल मिड डे मील घोटाले को लेकर आईटी ने यादव के जयपुर और कोटपूतली स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी की तरफ से आधिकारिक तौर पर इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की रिपोर्ट पर कहा

आधार दुनिया में सबसे भरोसेमंद डिजिटल आईडी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की रिपोर्ट पर बयान जारी करते हुए कहा कि आधार दुनिया में सबसे ज्यादा भरोसेमंद डिजिटल आईडी है। उनकी रिपोर्ट निराधार है। मंत्रालय ने कहा कि एक निवेशक सेवा ने बिना किसी सबूत या आधार का संदर्भ दिए दुनिया की सबसे भरोसेमंद डिजिटल आईडी आधार के खिलाफ बड़े दावे किए हैं। पिछले एक दशक में, एक अरब से अधिक भारतीयों ने 100 अरब से अधिक बार खुद के प्रमाण पत्र के तौर पर आधार का उपयोग करके उस पर अपना भरोसा व्यक्त किया है।

एक दशक में एक अरब से अधिक भारतीयों ने 100 अरब से अधिक बार इसका उपयोग किया

यूआईडीएआई अग्रिम संख्याएं दे रही

मंत्रालय ने कहा कि विचाराधीन रिपोर्ट में प्राथमिक या द्वितीयक डेटा या शोध का हवाला नहीं दिया गया है। निवेशक सेवा ने प्राधिकरण से उठाए गए मुद्दों के संबंध में तथ्यों का पता लगाने का कोई प्रयास नहीं किया। रिपोर्ट गलत तरीके से जारी किए गए आधारों की संख्या 1.2 बिलियन बताती है, हालांकि वेबसाइट प्रमुखता से अपडेटेड संख्याएं देती है।

बायोमीट्रिक्स की आवश्यकता नहीं

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की रिपोर्टमें भारत की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) का रिफरेंस दिया गया है। जिसमें कहा गया है कि बायोमीट्रिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग के परिणामस्वरूप भारत की गर्म, आर्द्र जलवायु में मनरेगा के मजदूरों को सेवा से वंचित कर दिया जाता है। मनरेगा डेटाबेस में आधार की सीडिंग श्रमिकों को उनके बायोमीट्रिक्स का उपयोग करके प्रमाणित करने की आवश्यकता के बिना की गई है और यहां तक कि योजना के तहत श्रमिकों को भुगतान भी सीधे पैसे जमा करके किया जाता है। उनके खाते में और श्रमिक को अपने बायोमीट्रिक्स का उपयोग करके प्रमाणित करने की आवश्यकता नहीं है।

बायोमीट्रिक सबमिशन भी संभव

आईटी मंत्रालय ने कहा कि रिपोर्ट इस बात को नजरअंदाज करती है कि फेस ऑथेंटिकेशन और आईरिस ऑथेंटिकेशन जैसे संपर्क रहित माध्यमों से भी बायोमीट्रिक सबमिशन संभव है। कई मामलों में मोबाइल ओटीपी का विकल्प भी उपलब्ध है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केंद्रीकृत आधार प्रणाली में सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी कमजोरियां हैं।

भाजपा ने अपूर्ण वादे गिनाते हुए राहुल पर साधा निशाना

बघेल सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया, 316 वादे 'कोरे' साबित हुए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ में पिछले चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 316 ऐसे वादे घोषणापत्र के जरिये किए थे जो पूरे नहीं किए गए।

बघेल सरकार को हर मोर्चे पर विफल करार देते हुए भाजपा ने छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ एक आरोप पत्र पेश किया है। मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने छग की कांग्रेस सरकार और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। पात्रा ने कहा कि जल्द ही पांच राज्यों में चुनाव हैं। चुनाव के समय जहां तक कांग्रेस पार्टी का संबंध है तो झूठ का पुलिंदा जनता के समक्ष रखना, उसे पूरा नहीं करना, ये उसकी आदत बन चुकी है। छत्तीसगढ़ में राहुल ने जिस प्रकार कई झूठे वादों को सामने रखा, आज वक्त आ चुका है कि भाजपा और छग की जनता राहुल और कांग्रेस को आईना दिखाने का काम करे।

पात्रा ने कहा कि पांच वर्षों में छग में कांग्रेस की सरकार रही। ये आरोप पत्र है जो मैं अपने साथ लेकर आया हूं।104 पन्ने का है, बड़ी मुश्किल से दो भागों में स्टेपल करके लाया हूं। हमारे ऑफिस में ऐसा कोई स्टेपलर नहीं था जिससे इतने पन्ने स्टेपल हो जाएं। उन्होंने कहा कि आप सोचिए घोटालों का पुलिंदा और ये आरोप पत्र कितना बड़ा है।

पात्रा ने कहा कि 316 ऐसे वादे राहुल ने पिछले चुनाव में छग में घोषणापत्र के माध्यम से किए थे जिनको राहुल और कांग्रेस ने पूरा नहीं किया। सबसे पहले किसान जो अन्नदाता है इस देश का। किसानों के लिए पीएम ने एक योजना आरंभ की 6000 रुपए प्रतिवर्ष मिलने के लिए, किसान सम्मान निधि की। लाखों किसान छग से पंजीकृत हुए मगर वो सत्यापित नहीं हो पाए, उनका वेरिफिकेशन नहीं हो पाया।

एशियाड महाकुंभ — घुड़सवारी में जीता स्वर्ण, पाल नौकायन में रजत और कांस्य

एजेंसी ▶▶| हांगझोऊ

भारत की घुड़सवारी टीम ने एशियाई खेलों में 41 साल बाद अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा जबकि पाल नौकायन (सेलिंग) में नेहा ठाकुर रजत और इबाद अली कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। निशानेबाजी में भारत के दिव्यांश पंवार और रमिता जिंदल की जोड़ी हालांकि दस मीटर एयर राइफल मिश्रित स्पर्धा में मामूली अंतर से कांस्य पदक से चूक गई जबकि जूडो में तुलिका मान को भी कांस्य पदक के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। तैराकी में भारत की चार गुणा 100 मीटर पुरुष मेडले रिले टीम ने दिन में दूसरी बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा लेकिन इसके बावजूद पांचवें स्थान पर रही। टेनिस में सुमित नागल और अंकिता रैना ने एकल मुकाबलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि रामकुमार रामनाथन और रुतुजा भोसले को हार का सामना करना पड़ा। युकी भांबरी और अंकिता की मिश्रित युगल जोड़ी भी जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत पदक तालिका में तीन स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक के साथ छठे स्थान पर चल रहा है।

जोशना, चिनप्पा, हरिंदर, सौरव ने दिखाया दम

भारतीय स्क्वाश टीमों ने मंगलवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष और महिला स्पर्धाओं में दमदार आगाज करते हुए में क्रमशः सिंगापुर और पाकिस्तान पर आसान जीत दर्ज की। अनुभवी जोशना चिनप्पा, 15 साल की अनाहत सिंह, और तन्वी खन्ना की तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम ने पूल बी के अपने शुरुआती मैच में पाकिस्तान को 3-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय टीम के लिए हरिंदर पाल संधू, सौरव घोषाल, अभय सिंह ने सिंगापुर पर जीत दर्ज की।

ऐसा रहा पुरुष वर्ग का मुकाबला

पुरुष वर्ग में चोट से वापसी कर रहे हरिंदर को शुरुआती मैच में सिंगापुर के जेरोम क्लेमेंट ने कड़ी टक्कर दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 39 मिनट तक चले मैच को 11-4, 13-11, 8-11, 11-7 से जीता। जोशना की तरह ही अपने छठे एशियाई खेलों में भाग ले रहे शीर्ष भारतीय खिलाड़ी घोषाल ने सैमुअल कंग को 11-9, 11-1, 11-4 जबकि अभय सिंह ने मार्कस फुआ को सीधे गेमों में 1-7, 11-7, 11-7 से हराया।

15 साल की अनाहत का शानदार प्रदर्शन

भारतीय टीम ने स्क्वैश के मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से हरा दिया. अनहत सिंह, जोशना चिनापा और तनवी खन्ना ने सीधे सेटों में 3-0 से जीत दर्ज की। पंद्रह वर्षीय अनाहत सिंह, जो अंडर-15 और अंडर-17 एशियाई चैंपियन हैं, ने सादिया गुल को 11-6, 11-6, 11-3 से हराया। इस बीच, जोशना चिनप्पा ने दूसरे मैच में पाकिस्तान की नूर उल हुदा सादिक को 11-2, 11-5, 11-7 से हराया। भारत का अगला मुकाबला अब बुधवार को नेपाल के साथ होगा। भारतीय टीम दो ग्रुप मैच खेलेगी।

तलवारबाज भवानी देवी का शानदार सफर समाप्त

तलवारबाज भवानी क्वार्टर फाइनल में हारीं

वहीं, एशियाई खेलों 2023 में क्वार्टर फाइनल में भवानी देवी का महिला व्यक्तिगत तलवारबाजी अभियान समाप्त हो गया। भारतीय फेंसर को विश्व की 11वें नंबर की एशियाई रजत पदक विजेता चाइना की शाओ याकी से 15-7 से हार का सामना करना पड़ा। टोक्यो ओलंपियन भवानी देवी ने आज छह मैचों की जीत के दम पर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

भारत की चार गुणा 100 मीटर मेडले टीम फाइनल में पांचवें स्थान पर

भारत की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने दिन में दूसरी बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा लेकिन इसके बावजूद मंगलवार को यहां एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रही। श्रीहरि नटराज, लिखित सेल्वराज, साजन प्रकाश और तनीश जॉर्ज मैथ्यू की चौकड़ी ने फाइनल में तीन मिनट 40.20 सेकेंड के समय के साथ सुबह के सत्र में शुरुआती दौर की हीट एक में बनाए तीन मिनट 40.84 सेकेंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। चीन ने तीन मिनट 27.01 सेकेंड के एशियाई रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। कोरिया (तीन मिनट 32.05 सेकेंड) को रजत जबकि जापान (तीन मिनट 32.52 सेकेंड) को कांस्य पदक मिला।

नेहा ने पाल नौकायन में रजत अली ने कांस्य हासिल किया

सत्रह साल की भारतीय सेलर यानि पाल नाविक नेहा ठाकुर ने एशियाई खेलों में रजत पदक हासिल किया। स्वर्ण पदक थाईलैंड की नोपासोर्न खुनबूनजान ने जीता जबकि कांस्य सिंगापुर की कीरा मैरी कार्लाइल के नाम रहा। वहीं इस स्पर्धा में इबाद अली ने कांस्य पदक जीता जिससे भारत ने मंगलवार को यहां पाल नौकायन में दो पदक हासिल किये। नेहा ने लड़कियों की डिंगी आईएलसीए-4 स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया। सेलिंग में पुरूषों के विंडसर्फर आरएस एक्स वर्ग में 52 के नेट स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण कोरिया के वोनवू चो जबकि रजत थाईलैंड के नत्थाफोंग फोनोफैराट ने रजत पदक हासिल किया।

एशियाई खेल जूडो: तुलिका मान कांस्य पदक के मुकाबले में हारी

भारत की तुलिका मान मंगलवार को यहां एशियाई खेलों की जूडो प्रतियोगिता के महिलाओं के 78 किग्रा से अधिक वर्ग के कांस्य पदक के प्ले ऑफ में मंगोलिया की अमाराइखान अदियासुरेन के खिलाफ हार के साथ पदक जीतने से चूक गईं। राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता दिल्ली की 25 साल की तुलिका को यहां शियाओशैन लिन्पु जिम्नेजियम में अदियासुरेन के खिलाफ इप्पोन से 0-10 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले तुलिका ने मकाऊ की किंग लैम लेई को इप्पोन से सिर्फ 15 सेकेंड में 10-0 से हराया था।

रोमांचक मुकाबले के बाद पदक से चूकी दिव्यांश और रमिता की जोड़ी

भारत के दिव्यांश पंवार और रमिता जिंदल की जोड़ी एशियाई खेलों की दस मीटर एयर राइफल मिश्रित स्पर्धा में मामूली अंतर से कांस्य पदक से चूक गई। दक्षिण कोरिया ने कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। पार्क हाजुन और ली यूंसियो की कोरियाई जोड़ी ने 20.18 से जीत दर्ज की । महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में मनु भाकर प्रिसिशन में शीर्ष पर थीं जबकि ईशा सिंह तीसरे स्थान पर हैं। रिदम सांगवान 11वें स्थान पर हैं। रैपिड वर्ग के मुकाबले बुधवार को होंगे। भारतीय तिकड़ी प्रिसिशन के बाद 876 अंक लेकर शीर्ष पर है।

वॉलीबॉल में पाकिस्तान ने भारत को हराकर दर्ज की जीत

चीन के हांगझोउ में चल रहे एशियन गेम्स 2023 के तीसरे दिन शाम होते-होते भारत को बड़ी निराशा हाथ लगी। चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से हुए वॉलीबॉल के अहम मुकाबले में भारत की टीम 3-0 से हार गई। इस हार के साथ भारत एशियाई खेलों में वॉलीबॉल प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रहा। बता दें कि 1960 के बाद यह पहली बार है जब पाकिस्तान एशियाई खेलों में शीर्ष पांच टीमों में जगह बनाने में कामयाब रहा है। भारत की महिला वॉलीबॉल टीम अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को उत्तर कोरिया के खिलाफ करेगी।

खबर संक्षेप

भारतीय मुक्केबाज सचिन और नरेंदर आगे बढ़े

हांगझोउ। भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच और नरेंदर बेरवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को यहां एशियाई खेलों में

क्रमशः प्री क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सचिन ने इंडोनेशिया के असरी उदिन पर 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि नरेंदर ने किर्गिस्तान के एलचोरो उलू ओमाटबेक को पहले राउंड में ही नॉकआउट कर दिया। सचिन का सामना कुवैत के तुर्की अबुकुतेलाह से होगा। उनका अगला मुकाबला ईरान के रमज़ानपुर डेलावर से होगा। नरेंदर ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल में एलचोरो पर जीत दर्ज की।

नागल, अंकिता क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

हांगझोउ। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को दमदार सर्विस लगाने वाले बीबिट जुकायेव की चुनौती से पार पाने के लिए पसीना बहाना पड़ा जबकि अंकिता रैना ने आसानी से आदित्या पी करुणारत्ने को मात देकर मंगलवार को यहां एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ये दोनों खिलाड़ी अगर क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीतने में सफल रहे तो उनका पदक पक्का हो जायेगा।

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत की विजयी शुरुआत

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के स्पोकेन में चल रही विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा में कुक आईलैंड्स को 5-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सात्विक रेड्डी कनापुरम और वैष्णवी खडकेकर की मिश्रित युगल जोड़ी ने कैयिन मताइओ और तेरेपी अकावी को 21-6, 21-8 से हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। आयुष शेट्टी ने लड़कों के एकल मैच में डेनियल अकावी पर 21-6, 21-3 से प्रभावशाली जीत दर्ज की।

तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से बढ़त, राजकोट में मैच दोपहर 1.30 बजे से

आज ऑस्ट्रेलिया को 'क्लीन स्वीप' कर इतिहास रचने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला आज बुधवार को राजकोट में खेला जाएगा। मेजबान भारतीय टीम फिलहाल 2-0 से आगे रहकर सीरीज अपने नाम कर चुकी है। कप्तान रोहित शर्मा की नजरें आखिरी एक दिवसीय क्रिकेट मैच में जीत के साथ आस्ट्रेलिया का सूपड़ा साफ करके इतिहास रचने का भी है। भारत ने वनडे प्रारूप में कभी आस्ट्रेलिया का पूरा सफाया नहीं किया है। दोनों में से कोई भी टीम अपनी धरती पर या दूसरे की मेजबानी में भी यह श्रेय हासिल नहीं कर सकी हैं।

गौरतलब है कि विश्व कप से पहले अब टीम लगातार चौथी वनडे जीत की दहलीज पर है। यह श्रृंखला 3-0 से जीतने पर उसे पांच बार की विश्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया पर मनोवैज्ञानिक बढत मिल जायेगी। आगामी वनडे विश्व कप 2023 की तैयारी के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह आखिरी वनडे मुकाबला होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला यह मैच आज 27 सितंबर बुधवार को सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम राजकोट में खेला जाएगा। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से प्रारंभ होगा।

मैदान में ये खिलाड़ी दिखेंगे, ये नहीं

तीसरे वनडे मुकाबले में भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या और कुलदीप यादव की वापसी हो रही है। शुभमन गिल और शार्दुल ठाकुर को इस मुकाबले से आराम दिया गया है। जसप्रीत बुमराह यह मुकाबला खेल सकते हैं।

इस संयोजन के साथ उतर सकता है ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस सीरीज में कुछ खास नहीं कर पाई है। डेविड वार्नर के फॉर्म को छोड़ दें तो टीम के लिए और कुछ भी अच्छा नहीं हुआ है। गेंदबाजों ने तो पूरी सीरीज में निराश किया है। आखिरी वनडे में मिचेल स्टार्क की टीम में वापसी हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा रहा है भारी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक वनडे क्रिकेट में कुल 148 बार भिड़ंत हो चुकी है। भारतीय टीम इनमें से 56 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त बनाते हुए 82 मैच जीते हैं। इस बीच, 10 मैच बेनतीजा भी रहे हैं। भारत की सरजमीं पर दोनों के बीच अब तक 69 मैच खेले गए हैं। यहां भारत ने 32 मैच जीते हैं और ऑस्ट्रेलिया ने भी 32 मैच जीते हैं, जबकि 5 में बेनतीजा रहे।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

ईशान ने पिछले 10 मुकाबलों में 46.29 की औसत से 324 रन बनाए हैं। वार्नर ने पिछले 8 मुकाबलों में 41.75 की औसत से 334 रन अपने नाम किए हैं। कुलदीप के नाम पिछले 7 मैच में 3.55 की इकॉनमी रेट से 12 विकेट है, वहीं जैम्पा ने पिछले 9 मैच में 15 विकेट झटके हैं। श्रेयस ने पिछले मैच में शतक लगाया था और राहुल के बल्ले से पिछले दोनों मैच में अर्धशतक निकले हैं।

भारत एकादश : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल , श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, हार्दिक पंड्या, विराट कोहली, कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन, वाशिंगटन सुंदर।

आस्ट्रेलिया एकादश : पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर, मार्नस लाबुशेन, एलेक्स कारी, जोश इंगलिस, मैथ्यू शॉर्ट, सीन एबोट, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, स्पेंसर जॉनसन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मिचेल स्टार्क, एडम जाम्पा।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश में 15 साल बाद जीती वनडे सीरीज

एजेंसी ▶▶| ढाका

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने तीसरे वनडे में बांग्लादेश क्रिकेट टीम को 7 विकेट से हरा दिया। ढाका में हुए मैच में जीत के लिए मिले 172 रनों के लक्ष्य को न्यूजीलैंड ने विल यंग (70) की बदौलत हासिल किया। इसके साथ ही कीवी टीम ने 3 मैचों की सीरीज को 2-0 से जीत लिया। बता दें कि सीरीज का पहला वनडे मैच बारिश के कारण नहीं खेला जा सका था। बता दें कि न्यूजीलैंड की टीम ने बांग्लादेश की धरती पर लगभग डेढ़ दशक के अंतराल के बाद वनडे सीरीज जीती है। आखिरी बार कीवी टीम ने 2008 में मेजबान बांग्लादेश को 2-1 से हराया था।

न्यूजीलैंड ने दर्ज की जोरदार जीत

पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने निराश किया और पूरी टीम महज 34.3 ओवर में 171 रन पर ही सिमट गई। मेजबान टीम से कप्तान नजमुल हसन शांतो ने सर्वाधिक 76 रन बनाए। न्यूजीलैंड से एडम मिल्ने ने 4 विकेट लिए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 49 रन तक अपने 2 विकेट खो दिए। इसके बाद यंग ने 70 रन की पारी खेली। उनके अलावा हेनरी निकोलस (50*) ने टीम को जीत दिलाई।

शांतो ने लगाया अपना 5वां अर्धशतक

बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए महज 8 रन के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए। मुश्किल घड़ी में बल्लेबाजी के लिए आए शांतो ने एक छोर संभाले रखा और 55 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने मुशफिकुर रहीम के साथ 53 रन और महमूदुल्लाह के साथ 49 रन की साझेदारी भी की। उम्दा बल्लेबाजी कर रहे शांतो 84 गेंदों में 76 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके लगाए।

महमूदुल्लाह के पूरे हुए 5,000 वनडे रन

महमूदुल्लाह ने 21 रन की पारी खेली और इस दौरान अपने वनडे करियर के 5,000 रन पूरे किए। वह बांग्लादेश की ओर से ये आंकड़ा छूने वाले सिर्फ चौथे बल्लेबाज बने। महमूदुल्लाह अब तमीम इकबाल, रहीम और शाकिब अल हसन की विशेष सूची में शामिल हो गए हैं। बता दें कि तमीम ने 243 वनडे मैचों में 8,357 रन, रहीम ने 256 मैचों में 7,406 रन और शाकिब ने 240 मैचों में 7,384 रन बनाए हुए हैं।

अश्विन को लेकर चयनकर्ताओं की सोच कुछ दिन में पता चल जाएगी

वर्ल्ड कप की तैयारियों को लेकर भारत के पास इंदौर वनडे में एक और कदम सही दिशा में उठाने का मौका होगा। श्रेयस अय्यर की फिटनेस को लेकर चिंताएं थीं लेकिन उन्होंने ऐसी जबरदस्त पारी खेली जिसकी वजह से शुभमन गिल का शतक भी पीछे हो गया। इस बात का महत्व इसलिए इतना ज्यादा है क्योंकि शुभमन गिल इस वक्त बेहद असाधारण फॉर्म में चल रहे हैं। ऐसी फॉर्म कि अगर उन्हें गहरी नींद से उठाकर भी बल्लेबाजी के लिए भेजा जाए तब भी वो इतनी ही सहजता से खेलेंगे। दोनों के बीच दोहरी शतकीय साझेदारी हुई जिसके शुरुआती समय में अधिकतर स्ट्राइक श्रेयस के पास थी। इस दौरान प्रचंड फॉर्म में चल रहे गिल ने जिस तरह अय्यर का हौसला बढ़ाया वो देखना सुखद था। भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए ये अच्छा संकेत है कि इसके दो विध्वंसक

सुनील गावस्कर की कलम से

बल्लेबाजों के बीच इतनी अच्छी समझ है। श्रेयस अय्यर ने मैदान पर पूरी ठसक के साथ कदम रखा जैसे वो प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह को लेकर सवाल उठा रहे लोगों को गलत साबित करना चाह रहे हो। उन्होंने पूरे स्टाइल से साथ ऐसा किया भी। इस कड़ी में अय्यर ने कई ऐसे हवाई शॉट लगाए जिनसे घने से घने संदेह के बादल भी छंट गए।

भारत ने सिंगापुर को 16-1 से हराया, अब जापान से होगी भिड़ंत

हरमनप्रीत व मंदीप ने की गोलों की बौछार

एजेंसी ▶▶| हांगझोऊ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई खेलों के तीसरे दिन सिंगापुर के खिलाफ पूल ए के एक महत्वपूर्ण मैच में विपक्षी टीम पर पूरी तरह से हावी रही। भारत ने सिंगापुर को 16-1 से मात दे दी। इस गेम में कप्तान हरमनप्रीत ने शानदार हैट्रिक लगाई। उन्होंने चार गोल किए। इसके अलावा मनदीप ने भी हैट्रिक लगाई। ललित, गुजरांत, सुमित और विवेक ने भी गोल किए। खेल की शुरुआत में ही भारत के सामने सिंगापुर को संघर्ष करना पड़ा। भारत के खेल के 12वें मिनट में ही गोल हुआ जब मंदीप ने गोल कर दिया। फिर दूसरे क्वार्टर में 16वें मिनट में दूसरा गोल हुआ। इसके बाद 22वें और 23वें मिनट में एक और गोल ने टीम इंडिया की बढ़त 4-0 कर दी। 5वां गोल कप्तान हरमनप्रीत ने किया जिन्होंने पेनाल्टी कॉर्नर से गेंद को गोल पोस्ट में डाल दिया। हॉफ टाइम तक भारत का स्कोर 6-0 था।

तीसरे क्वार्टर में तीन मिनट में 3 गोल

तीसरे क्वार्टर में भी भारत का जलवा कायम रहा और लगातार तीन मिनट के अंदर तीन गोल किए गए। कप्तान हरमनप्रीत ने एक और गोल दागते हुए भारत की बढ़त को 9-0 कर दिया। इसके अगले दो मिनटों में हुए दो गोल ने तीसरे क्वार्टर में भारत की बढ़त को 14-0 कर दिया था। आखिरकार 53वें मिनट में सिंगापुर को एक गोल करने का मौका मिला लेकिन ये जश्न छोटा ही रहा क्योंकि भारतीय टीम ने जल्दी ही 16वां गोल भी करके दिखा दिया। भारत ने अपने 21वें पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके ये बढ़त बनाई।

ICC वनडे रैंकिंग में बाबर के करीब आए गिल

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ICC रैंकिंग में वनडे के नंबर-1 गेंदबाज बने हुए हैं। साथ ही भारतीय बैटर शुभमन गिल पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के और करीब आ गए हैं। बुधवार को जारी रैंकिंग में लेटेस्ट रैंकिंग में गिल ने रेटिंग पॉइंट्स के फासले को और कम किया है। पिछले सप्ताह दोनों बल्लेबाजों के बीच 43 पॉइंट्स का फासला था। अब यह घटकर 10 अंकों का रह गया है। टॉप पर काबिज बाबर आजम के पास 857 अंक हैं, जबकि गिल के 847 अंक हो गए हैं। वहीं सिराज गेंदबाजी रैंकिंग में पहले स्थान पर बरकरार है। सिराज के अभी 680 पॉइंट हैं।

हिलव्यू समाचार

विविध

जयपुर, गुरुवार, 28 सितम्बर 2023

विकास कार्यों को समय पर करें पूरा: मंत्री रावत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत ने वृंदावन-बरसाना की दो दिवसीय यात्रा के तहत सोमवार को राधा माधव मंदिर वृंदावन में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की है।

इस दौरान देवस्थान मंत्री ने राधा माधव मंदिर स्थित देवस्थान विभाग के कार्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए बैठक भी की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री गहलोत ने प्राचीन मंदिरों के विकास कार्यों के लिए हरसंभव मदद उपलब्ध कराई है। बजट घोषणा में राधा माधव मंदिर वृंदावन में 6 करोड़ 49 लाख और कुशल बिहारी मंदिर बरसाना में 2 करोड़ 69 लाख रुपए के विकास कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि बजट घोषणा के अनुसार मंदिर परिसर जीर्णोद्धार, धर्मशाला संरक्षण, प्राचीन चित्रकला शैली का संरक्षण, नवीन शौचालय, बिजली व्यवस्था और नवीन कैंटीन जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विभाग के अधीन आने वाले मंदिरों में साज सज्जा एवं पोशाक सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए 593 लाख रुपए की स्वीकृति दी है।

वहीं प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में कॉरिडोर निर्माण करवाया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना से वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं। बैठक में सहायक आयुक्त प्रियंका भट्ट, निरीक्षक ओमप्रकाश, पुष्पेन्द्र चतुर्वेदी सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

RU और शेखावाटी यूनिवर्सिटी को मिले नए कुलपति

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान विश्वविद्यालय और पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर में कुलपति की नियुक्ति की गई है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राज्य सरकार के परामर्श से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विवि, वर्धा के मानविकी और समाजशास्त्र विभाग के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विवि, सीकर और अर्थशास्त्र विभाग की प्रो. अल्पना कटेजा को राजस्थान विवि, जयपुर में कुलपति नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक के लिए की है।

ख़बर-बेख़बर-02

सरकारी अधिकारी की मनमानी सीनियर सिटीजन पर भारी

■ पीएचईडी में सेवारत पारितोष गुप्ता द्वारा अवैध निर्माण की गुंडागर्दी और मनमानी अब चरम पर

■ अब तक निगम ने नहीं की है कोई कार्यवाही क्यों?

■ अब मामला न्यायालय में सुनवाई हेतु लंबित

कुलदीप गुप्ता
जयपुर (हिलव्यू समाचार)। मानसरोवर शिप्रापथ भूखण्ड संख्या 34/26 के मालिक एवं सरकारी सेवा में सेवारत पारितोष गुप्ता ने ज़ीरो सेट बैक का उल्लंघन करते हुए सीनियर सिटीजन सोमानी दम्पत्ति की अनुपस्थिति में उनके मकान 34/25 में अपने मकान का निर्माण करते हुए अवैध कब्ज़ा और अतिक्रमण कर लिया। सीनियर सिटीजन सोमानी के मेनगेट पर लगी लैम्प पोस्ट लाइट तोड़कर फैंक दीं और परितोष गुप्ता का दुःसाहस यही नहीं रुका बल्कि सोमानी की छत पर कारीगरों को खड़ा करके स्वयं के घर का अवैध निर्माण करवाया और अतिक्रमण किया। सोमानी के घर के दो कमरे डेमेज और सीलन युक्त हो गए इलेक्ट्रॉनिक सामान ख़राब हो गया।

पारितोष गुप्ता के वहशीपन की सीमा इस हद तक बढ़ी की वो अपने पूरे परिवार को लेकर सोमानी सीनियर सिटीजन के साथ गाली-गलौच और मारा पीटी पर उतर आया है।पारितोष गुप्ता ने अपने न्यायिक और प्रशासनिक सम्बंधों का प्रयोग करते हुए नगर निगम ग्रेटर एवं मानसरोवर निगम जोन में ऐसा माहौल खड़ा कर दिया कि आज तक पीड़ित पक्ष सिनियर सिटीजन सोमानी दम्पत्ति की पीड़ा बरक़रार है।

यह अवैध नव निर्माण है जो सुशील सोमानी की अनुपस्थिति में लगभग 8-9 माह पूर्व ही शुरू हुआ है। जिस तरह से यह निर्माण ज़ीरो सेटबैक से भी आगे जाकर हुआ है उससे पड़ौसी के घर में अतिक्रमण साफ नज़र आ रहा है इस पर अवश्य कार्यवाही होनी चाहिए।

स्थानीय कॉलोनी निवासी व पड़ौसी
मानसरोवर,जयपुर

यह मामला मेरे संज्ञान में आया है इस पर पहले भी जाँच करवाई गई है और विधि सम्मत कार्यवाही अवश्य होगी। मामला न्यायालय में भी चला गया है अतः न्यायिक आदेश अनुसार और मौक़ा मुआयना कर अवश्य कार्यवाही करेंगे।

मुकेश कुमार
उपायुक्त मानसरोवर जोन
नगर निगम ग्रेटर,जयपुर

यह मसला न्यायालय में चल रहा है मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूँगा!

पारितोष गुप्ता, पीएचईडी अधिकारी
34/26 मानसरोवर,जयपुर

ज़ीरोसेटबैक से भी आगे आकर सुशील सोमानी के मकान में अतिक्रमण करके निर्माण किया है पारितोष गुप्ता ने

इस संबंध में पीड़ित सुशील सोमानी, अवैध निर्माणकर्ता पारितोष गुप्ता व मानसरोवर जोन उपायुक्त मुकेश कुमार एवं स्थानीय लोगों से सीधी बातचीत-

मुझे न्याय चाहिए। समझौते का प्रश्न ही नहीं उठता। हम दोनों पति-पत्नी सीनियर सिटीजन हैं और पारितोष गुप्ता व उसका परिवार मेरे घर में अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर मुझे ही डरा धमका रहा है। अभी तक निगम ने कोई कार्यवाही नहीं की है मैंने न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया है मुझे न्याय मिलने की उम्मीद है। यह अतिक्रमण और अवैध निर्माण पारितोष गुप्ता को हटाना ही होगा।

सुशील सोमानी, 34/25, मानसरोवर, जयपुर

त्यौहारी सीजन में लाभार्थियों को देंगे दो अन्नपूर्णा किट

जयपुर। प्रदेश में आगामी त्योहारों के सीजन को देखते हुए अन्नपूर्णा लाभार्थियों को एक की बजाय दो राशन किट दी जाएंगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर में इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के लाभार्थी संवाद कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में और जागरूकता फैलाई जानी चाहिए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इनके लाभों से वंचित न रहे।

इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी लाभार्थी संवाद कार्यक्रम

18 लाख लाभार्थियों के खाते में भेजी 75 करोड़ की सब्सिडी: गहलोत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। महंगाई राहत कैम्पों से 1.82 करोड़ परिवारों को 7 करोड़ से अधिक गारन्टी कार्ड दिए जा चुके हैं। प्रदेश की 1.33 करोड़ महिलाओं को चरणबद्ध रूप से डेटायुक्त स्मार्टफोन दिए जा रहे हैं। इससे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण देकर शुरू की गई महिला सशक्तिकरण की मुहिम आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं को बताते हुए यह बात कहीं। दरअसल गहलोत सोमवार को जोधपुर में इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के लाभार्थी संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के 18 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में लगभग 75 करोड़ रुपए की सब्सिडी राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की।

महंगाई की मार से महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित

संवाद कार्यक्रम में सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि महंगाई की मार से महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्हें राहत देने एवं रसोई का खर्च कम करने के लिए राज्य में लगभग 76 लाख परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। साथ ही अन्नपूर्णा योजना के तहत तेल, दाल, चीनी, मसाले युक्त राशन किट भी आमजन को दिया जा रहा है। आगामी त्योहारों को देखते हुए राज्य सरकार ने आमजन को एक अतिरिक्त अन्नपूर्णा राशन किट उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया है।

मिशन 2030 डॉक्यूमेंट किया जा रहा तैयार

राजस्थान के विकास का रोडमैप तैयार करने के लिए जनसहभागिता से मिशन 2030 डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। इसके तहत 2 करोड़ से अधिक लोगों ने अपने सुझाव दिए हैं। सुझावों के आधार पर नीति निर्माण कर राज्य के सुनहरें भविष्य का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि राजकीय कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने समेत कानून बनाकर आमजन को शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, सूचना एवं रोजगार के अधिकार दिए गए। इसी तर्ज पर वर्तमान केन्द्र सरकार को जनता को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार देना चाहिए।

“ महंगाई राहत शिविरों से उन्हें 7 गारंटी कार्ड मिले। उनके बिजली बिल शून्य आ रहे हैं। नरेगा में 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार भी मिला है। अतिरिक्त अन्नपूर्णा किट दिए जाने की घोषणा से वे बहुत खुश हैं।

गंगा, डूंगरपुर

सीएम गहलोत की सभा: बोले, पीएम राइट टू सिक्योर बिल करें लागू

संजीवनी घोटाले पर मोदी करें गजेंद्र सिंह से बात

राहुल की भावनाओं को चैलेंज के तौर पर लिया, करेंगे सरकार रिपीट

हिलव्यू समाचार
जयपुर/जोधपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार से राइट टू सिक्योर बिल लागू करे। उन्होंने एक बार फिर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पर निशाना साधते हुए कहा कि निवेशकों की जमापूंजी की सुरक्षा के लिए वह मोदी से राइट टू सिक्योर बिल को लागू करना चाहिए, ताकि आम जनता को अपनी पूंजी वापस मिल सके। संजीवनी घोटले पर पीएम को शेखावत से बात करनी चाहिए, यह उनका दायित्व हैं। आज डेढ़ लाख लोगों के करोड़ों रुपए फंसे हैं। मैं चाहता हूं कि वो जनता को वापस मिले। राजस्थान में संजीवनी का स्कैंडल हुआ। केंद्र की जिम्मेदारी बनती है कि गरीबों को उनका हक दिलाए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को जोधपुर जिले में लाभार्थियों से संवाद किया और जिले को कई सौगात दी।

वकील स्ट्राइक की परंपरा खत्म

गहलोत ने कहा कि वकील एक बार स्ट्राइक पर उतर जाते हैं, तब स्ट्राइक कॉल ऑफ करना उनके हाथ में नहीं होता। उन्होंने कहा कि स्ट्राइक खत्म करवाने वालों की अलग बिरादरी है। आप हमको जानते हो और हम आपको भी जानते हैं। इसलिए स्ट्राइक की परंपरा खत्म करें।

गरीब के लिए हम जेल जाने को तैयार

गहलोत ने कहा कि मैंने दुर्भावना से कोई काम नहीं किया। प्रदेश का सीएम होने के नाते लोग मेरे पास अपने फंसे पैसों के लिए आए थे तो मैंने उनकी बात सुनी। मैंने इसके लिए कोई कैंपेन नहीं चलाया। इसके बाद भी ये लोग आगे नहीं आ रहे हैं। केंद्र सरकार को भी हमारी मदद करनी चाहिए। वहीं अगर गरीब का पैसा मिलता है तो हम जेल जाने को भी तैयार हैं।

राजस्थान में कांग्रेस की लहर

सीएम गहलोत ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की लहर चल रही है। भाजपा वाले कितना ही जोर लगा दें। मोदी से लेकर उनके सभी नेता यहां दौरे कर लें, लेकिन इस बार वे सत्ता में नहीं आएंगे। राहुल गांधी के ‘राजस्थान में कड़ी टक्कर’ वाले बयान पर गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की भावनाओं और कमेंट को हम चैलेंज के तौर पर ले रहे हैं। उन्होंने हमें चुनौती दे दी है कि आप जीत कर बताओ, हम जीतकर दिखाएंगे।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 'भारत' में विकास को गति देने के लिए "स्वदेश बैंकिंग" का किया अनावरण

एयू एसएफबी द्वारा “स्वदेश बैंकिंग” शुरू करने का उद्देश्य अपनी 28 साल की विरासत का उपयोग करके ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में आर्थिक विकास पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करना और साथ ही डिजिटल परिदृश्य को अपनाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में चल रही औपचारिकता को भुनाना है।

AU स्वदेश BANKING

मुंबई (हिलव्यू समाचार)। भारत का प्रमुख एसएफबी, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (AU SFB) ने ग्रामीण भारत में बैंकिंग में बदलाव लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए “स्वदेश बैंकिंग” की शुरुआत की है। “स्वदेश बैंकिंग” वर्टिकल को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) हर व्यक्ति और व्यवसाय तक उपयोगी और किफायती फाइनेंशियल प्रोडक्ट और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की साथ ही किसानों, स्व-रोजगार कर्मियों व भारत में सूक्ष्म उद्यम के लिए 360-डिग्री व्यापक समाधान के साथ ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों की गहरी समझ का लाभ उठाने के लिए डिजाइन किया गया है।

वित्तीय और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने की अटूट प्रतिबद्धता के साथ, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक वंचित समुदायों को सशक्त बनाने और ग्रामीण और उन क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, जहां अब तक वित्तीय सेवाओं की पहुंच ना के बराबर है। इसलिए, ’स्वदेश बैंकिंग’ की शुरुआत के साथ, एयू एसएफबी अपनी ग्रामीण शाखाओं, बैंकिंग आउटलेट्स, बैंकिंग संवाददाताओं, वित्तीय और डिजिटल समावेशन इकाई और लघु व सीमांत किसान (SMF) लेंडिंग यूनिट (लोन देने वाली इकाइयों) को एक ही छतरी और नेतृत्व के तहत व्यवस्थित करेगा, ताकि बैंक के ग्राहकों को लाभ मिल सके।

स्वदेश बैंकिंग ग्रामीण समुदायों और व्यवसायों की खास जरूरतों और चुनौतियों को पूरा करने के लिए उपयोगी बैंकिंग उत्पादों, सेवाओं और संचालन को बढ़ावा देगी। इसमें स्थानीय व्यापारियों और दुकान के मालिकों के लिए डिजिटल समाधानों का विस्तार करने के साथ ही वित्तीय साक्षरता और डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ाना, स्थानीय उद्योगों के लिए विशेष उत्पाद और स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देना शामिल होगा।

डिजिटल भारत की सोच को आगे बढ़ाते हुए, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर देने के साथ यूजर फ्रेंडली डिजिटल प्लेटफार्म में पर्याप्त निवेश किया है। इसके मोबाइल बैंकिंग ऐप, इंटरनेट पोर्टल और इनोवेटिव वीडियो बैंकिंग सेवाओं ने न सिर्फ बैंकिंग परिचालन और लेनदेन की सुविधा और पहुंच को बढ़ाया है, बल्कि व्यक्तिगत संपर्क भी बनाए रखा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)